www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 05 | अंक – 85 | जौनपुर, गुरूवार, 12 नवम्बर 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

पैतृक संपत्ति के अधिकार को लेकर सुप्रीम कोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। संपत्ति के बंटवारे और विरासत से जुड़े एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला दिया है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया है कि पिता को विरासत में मिली संपत्ति पर बेटे का केवल जन्म के आधार पर अधिकार नहीं होगा। पिता को विरासत में प्राप्त संपत्ति का वह पूर्ण मालिक होगा और उसका बेटा जन्म के आधार पर उस संपत्ति में हिस्सा नहीं मांग सकता। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला विरासत में प्राप्त संपत्ति के स्वामित्व और उस पर अगली पीढ़ी के अधिकारों को लेकर महत्वपूर्ण है। अदालत के इस फैसले में पिता को विरासत में मिली संपत्ति और बेटे के जन्मसिद्ध अधिकार के बीच अंतर स्पष्ट किया गया है।सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार, दादा की संपत्ति में पिता को विरासत के तौर पर प्राप्त हिस्से पर पोते का जन्म लेते ही अधिकार स्थापित नहीं हो जाता। पिता को विरासत में मिली संबंधित संपत्ति पर उसका पूर्ण स्वामित्व होगा। ऐसे में बेटा केवल इस आधार पर संपत्ति में हिस्सेदारी का दावा नहीं कर सकता कि वह संपत्ति उसके पिता को उसके दादा से प्राप्त हुई है। विरासत में मिली संपत्ति का पिता होगा पूर्ण मालिक शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में विरासत में प्राप्त संपत्ति के स्वामित्व को लेकर स्थिति स्पष्ट की है। अदालत के अनुसार, पिता को विरासत में मिली संबंधित संपत्ति का पूर्ण मालिक पिता ही होगा। उसके बेटे को उस संपत्ति में जन्म के आधार पर हिस्सेदारी मांगने का अधिकार नहीं होगा।

अभिजीत दीपके ने तोड़ी चुप्पी, इंडोनेशिया के उपराष्ट्रपति पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी (ब्रच्) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कई दिनों की चुप्पी के बाद एक बार फिर अपनी प्रतिक्रिया दी है। इस बार उन्होंने इंडोनेशिया के उपराष्ट्रपति के इस्तीफे से जुड़े मामले को लेकर सवाल उठाए हैं। दीपके ने कथित फर्जी सर्टिफिकेट के मुद्दे का उल्लेख करते हुए सवाल किया कि आखिर कोई व्यक्ति फर्जी प्रमाणपत्र के साथ इतने ऊंचे पद पर कैसे रह सकता है। उनके इस बयान के बाद कॉकरोच जनता पार्टी एक बार फिर चर्चा में आ गई है। हाल ही में पार्टी की ओर से केरल के कोच्चि में एक प्रदर्शन आयोजित किया गया था। हालांकि, फिलहाल पार्टी की तरफ से अगले आंदोलन या किसी नए प्रदर्शन को लेकर कोई जानकारी साझा नहीं की गई है।कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके पिछले कई दिनों से चुप थे। अब उन्होंने इंडोनेशिया के उपराष्ट्रपति के इस्तीफे से जुड़े घटनाक्रम पर अपनी प्रतिक्रिया देकर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने इस मामले में कथित फर्जी सर्टिफिकेट का मुद्दा उठाया है। दीपके ने सवाल किया कि किसी व्यक्ति के पास फर्जी प्रमाणपत्र होने के बावजूद वह इतने महत्वपूर्ण और ऊंचे पद पर कैसे बना रह सकता है। उनका यह सवाल सार्वजनिक पदों पर बैठे व्यक्तियों की योग्यता और प्रमाणपत्रों की प्रामाणिकता से जुड़ा हुआ है।

पीएम मोदी ने पत्रकारों को किया संबोधित, कहा-यहां कुछ भी असंभव नहीं, न्यूज रूम की बताई खासियत



नई दिल्ली, (एजेंसी)। स्थित भाजपा कार्यालय में गुरुवार को दिवाली मिलन समारोह आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वहां मौजूद पत्रकारों को संबोधित किया। पत्रकारों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "अभी–अभी दीपावली का पर्व बीता है और छठ की तैयारी अंतिम दौर में है। मेरी ओर से आप सभी को और आपके परिजनों को इन पर्वों की बहुत–बहुत शुभकामनाएं। त्योहारों के समय हर कोई अपने परिवार के साथ और अपनों के साथ समय बिताने की कोशिश करता है। आपका काम ऐसा है कि ब्रेकिंग न्यूज के लिए भागदौड़ लगी रहती है। ऐसी व्यस्तता में आप सभी इस नॉन–ब्रेकिंग न्यूज वाले कार्यक्रम में आए। मैं आप सबका बहुत आभारी हूं।" उन्होंने कहा, "मुझे याद है कि 90 के दशक की शुरुआत में मुझे 2 बड़ी यात्राओं में देशभर में व्यवस्थाओं के लिए दायित्व मिला था। ये वो दौर था, जब प्रेस रिलीज भेजने के लिए भी फैक्स मशीन ढूंढनी पड़ती थी। यहां नई पीढ़ी के बहुत साथी हैं लेकिन जो पुराने लोग हैं, वो जानते हैं कि मेरा लंबे समय से आप सबकी दुनिया के साथ एक सहज संबंध रहा है। प्रेस रिलीज से लेकर इंस्टा रील तक मैंने मीडिया का और मीडिया संवाद का एक लंबा दौर देखा है।" प्रधानमंत्री ने कहा, "मुझे बराबर याद है, पता नहीं आपकी कौन सी ताकत है जो हमें यहां परेशान कर देती है। किसी को पता नहीं था, पार्टी में ऊपर के जो 2–4 लोग थे, बस उनको पता था। मैं यहां 11 अशोक रोड पर एक कमरे में रहता था। अचानक एक दिन सारे पत्रकारों की गैंग मेरे कमरे में घुस गई। उस समय एक महिला ब्रिगेड हुआ करती थी। उन्होंने मुझसे कहा कि मिठाई खिलाओ! जब मैंने पूछा कि क्यों भाई, तो उन्होंने कहा कि आप गुजरात जा रहे हो, आप मुख्यमंत्री बनने जा रहे हो। हालांकि ये बहुत कम लोगों को मालूम था लेकिन उन लोगों को पता था। खैर, उनकी बात सही साबित हुई।" उन्होंने कहा, "जब लोग रिपोर्टर से एडिटर बनते हैं, तो मीडिया हाउस में आपकी भूमिका स्वाभाविक रूप से बदल जाती है।

भारत ने बिम्सटेक देशों को स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता का लाभ उपलब्ध कराने की पेशकश की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत ने देशों के साथ प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा, डिजिटल स्वास्थ्य और सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे के क्षेत्र में अर्जित अपनी विशेषज्ञता का लाभ उपलब्ध कराने की पेशकश की। यह पेशकश कोलंबो में बिम्सटेक देशों के स्वास्थ्य मंत्रियों की पहली बैठक में की गई। बैठक में सर्वसम्मति से संयुक्त मंत्रिस्तरीय बयान और 2026–2030 के लिए संशोधित सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्ययोजना को मंजूरी दी गई। बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने देश की स्वास्थ्य संबंधी पहलों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने और उभरते स्वास्थ्य खतरों से निपटने की तैयारी मजबूत करने के लिए क्षेत्रीय सहयोग जरूरी है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, बैठक में बांग्लादेश, भूटान, भारत, म्यांमा, नेपाल, श्रीलंका और थाईलैंड के स्वास्थ्य मंत्री तथा वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल हुए। संयुक्त बयान में सदस्य देशों ने सभी लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने और सतत विकास लक्ष्य–3 के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इसमें रोग निगरानी, महामारी से निपटने की तैयारी, रोगाणुरोधी प्रतिरोध, डिजिटल स्वास्थ्य, पारंपरिक चिकित्सा, जलवायु परिवर्तन से जुड़े स्वास्थ्य संबंधी उपायों और स्वास्थ्य कर्मियों के विकास पर विशेष जोर दिया गया।



पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाने वाले कामों से दूर रहें टीवीके विधायक – सीएम विजय

चेन्नई, (एजेंसी)। दीपावली के अवसर पर हत्या की कई घटनाओं और जोसेफ विजय सरकार पर विपक्ष के बढ़ते हमलों के बीच केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कथित तौर पर तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र वी. अर्लेकर से राज्य की कानून–व्यवस्था पर रिपोर्ट मांगी है। समझा जाता है कि केंद्र सरकार द्वारा मांगी गई रिपोर्ट में हाल की हिंसक घटनाओं और शांति बनाए रखने के लिए राज्य प्रशासन द्वारा उठाए गए कदमों का ब्योरा मांगा गया है। राज्यपाल 13 नवंबर को नई दिल्ली जाने वाले हैं। द्रमुक और अन्नाद्रमुक समेत विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि तमिलनाडु में हत्याएं बढ़ रही हैं। उनका दावा है कि अकेले दीपावली के दिन 10 से अधिक हत्याएं हुईं। दूसरी तरफ, राज्य सरकार का कहना है कि दीपावली के दिन आठ हत्याएं दर्ज की गईं। प्रेट्र के अनुसार, दोहरे हत्याकांड के एक आरोपित ने पूछताछ के दौरान पुलिस कांस्टेबल पर हमला कर दिया और भागने की कोशिश की। इसके बाद पुलिस ने उसके पैर में गोली मार दी और उसे पकड़ लिया। आरोपित की पहचान शिवनेसन के रूप में हुई है। उसे तिरुचिरापल्ली जिले में दो नाबालिगों की हत्या के मामले में गिरफ्तार किया गया था। टीवीके के संस्थापक और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने बुधवार को पार्टी विधायकों से कहा कि वे ऐसे विवादों में न पड़ें या ऐसे गलत कामों में शामिल न हों, जिनसे पार्टी की छवि और गरिमा को नुकसान पहुंचता हो। उन्होंने विधायकों को अनुशासन बनाए रखने व अपने आचरण को गरिमापूर्ण रखने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि वे अधिकारों का दुरुपयोग किए।



संगठित अपराध पर सख्ती की तैयारी, दिल्ली पुलिस संग मंथन करेंगे अमित शाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में संगठित अपराध पर लगाम लगाने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दिल्ली पुलिस के साथ महत्वपूर्ण चर्चा करेंगे। सूत्रों के अनुसार, इस चर्चा में संगठित अपराध की रोकथाम के लिए आवश्यक उपायों पर विचार किया जाएगा। राजधानी में अपराध नियंत्रण को लेकर होने वाली इस चर्चा को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। संगठित अपराध के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई और अपराधियों पर शिकंजा कसने के उपाय इस चर्चा के केंद्र में रहेंगे।सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दिल्ली पुलिस के साथ संगठित अपराध की चुनौती से निपटने के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर विचार–विमर्श करेंगे। इस दौरान अपराध नियंत्रण की दिशा में अपनाए जाने वाले उपायों को लेकर चर्चा होने की संभावना है। संगठित अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए पुलिस की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में गृह मंत्री और दिल्ली पुलिस के बीच होने वाली चर्चा पर नजर रहेगी।संगठित अपराध की रोकथाम के लिए अपराधियों और उनके नेटवर्क के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई आवश्यक होती है। ऐसे अपराधों से निपटने में पुलिस की सक्रियता, अपराधियों की पहचान और उनके नेटवर्क तक पहुंच महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सूत्रों के अनुसार, अमित शाह की दिल्ली पुलिस के साथ प्रस्तावित चर्चा का मुख्य उद्देश्य संगठित अपराध पर लगाम लगाने के उपायों पर विचार करना है।दिल्ली में संगठित अपराध की रोकथाम के लिए पुलिस की कार्यप्रणाली और कार्रवाई को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में यह चर्चा अहम हो सकती है। अपराधियों की गतिविधियों पर निगरानी रखने और उनके नेटवर्क को कमजोर करने जैसे उपाय संगठित अपराध के खिलाफ कार्रवाई में महत्वपूर्ण होते हैं। हालांकि, बैठक में किन विशेष विषयों को शामिल किया जाएगा, इसे लेकर विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की दिल्ली पुलिस के साथ होने वाली चर्चा का केंद्र संगठित अपराध की रोकथाम रहेगा।



राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार 2025-26 प्रदान किए

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को नई दिल्ली में स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार 2025–26 प्रदान किए। इस अवसर पर अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि किसी एक संस्था के अकेले के प्रयासों से स्वच्छता के लक्ष्यों को प्राप्त नहीं किया जा सकता है। इसके लिए हर नागरिक, हर घर, हर समुदाय और हर शहर की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्वच्छता केवल सार्वजनिक स्थानों की सुंदर स्थिति का प्रश्न नहीं है। यह हमारे स्वास्थ्य, सामाजिक संवेदनशीलता और प्रशासनिक उत्तरदायित्व का भी परिचायक है। यह हमारे घरेलू व्यवहार एवं आदतों का भी द्योतक होता है। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि हर नागरिक को, विशेष रूप से युवाओं, महिलाओं, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों और सामुदायिक संगठनों को, स्वच्छता से जुड़े विभिन्न पहलुओं से जुड़ना चाहिए। उन्हें अपने अनुभवों के साथ ही उन कमियों को भी रिपोर्ट करना चाहिए जिनके समाधान हमारे शहरों को स्वच्छ और स्वस्थ बनाने में मदद कर सकते हैं। इससे नगर प्रशासन और नागरिकों के बीच निरंतर संवाद को बढ़ावा मिलेगा और आपसी विश्वास, पारदर्शिता तथा जवाबदेही मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि अपने आस–पास के इलाकों की स्वच्छता को परखने के लिए नागरिक ही सबसे बेहतर निर्णायक होते हैं। इसलिए, नागरिकों के फीडबैक का उपयोग केवल किसी सर्वेक्षण या रैंकिंग तक सीमित नहीं रहना चाहिए। इसके बजाय, इस फीडबैक का उपयोग नगरपालिका सेवाओं को बेहतर बनाने और स्थानीय चुनौतियों का समाधान करने के एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में किया जाना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि स्वच्छता के क्षेत्र में प्रभावी, किफायती और सुरक्षित तकनीकें विकसित करने की आवश्यकता है। उन्होंने इस बात पर खुशी जताई कि कई आईआईटी और अन्य वैज्ञानिक शोध संगठनों के साथ विभिन्न संस्थान इस दिशा में सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि टियर–2 और टियर–3 शहरों की क्षमताएं बढ़ाने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि ये ही वे शहर हैं जो सबसे तेजी से बढ़ रहे हैं। इनकी आवश्यकताएं और चुनौतियां अलग–अलग हैं। इनका विकास एक ऐसे राष्ट्रीय ढांचे के भीतर होना चाहिए, जो इनकी विशिष्ट समस्याओं और चुनौतियों का समाधान कर सके। उन्होंने कहा कि टियर–2 शहरों के नियोजक, टियर–1 शहरों की वर्तमान समस्याओं से सीख सकते हैं ।



भारत ने वीजा श्रेणियों की संख्या 13 से घटाकर नौ की – गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने विदेशी नागरिकों के लिए वीजा प्रक्रिया को सरल बनाने के उद्देश्य से मुख्य भारतीय वीजा श्रेणियों की संख्या 13 से घटाकर नौ और उप–श्रेणियों की संख्या 49 से घटाकर 23 कर दी है। इसके साथ ही वीजा आवेदन फॉर्म में भरे जाने वाले विवरण की संख्या में भी 65 से 70 प्रतिशत तक की कटौती की गई है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इन बदलावों का उद्देश्य वीजा व्यवस्था को अधिक सुव्यवस्थित एवं सुसंगत बनाना और भारत आने वाले विदेशी नागरिकों की जरूरतों के अनुरूप ढालना है। गृह मंत्रालय ने 27 अगस्त को मुख्य वीजा श्रेणियों की संख्या 13 से घटाकर नौ और उप–श्रेणियों की संख्या 49 से घटाकर 23 कर दी थी। इससे पहले, अक्टूबर 2025 में भी वीजा श्रेणियों को तर्कसंगत बनाने की प्रक्रिया के तहत मुख्य श्रेणियों की संख्या 22 से घटाकर 13 और उप–श्रेणियों की संख्या 63 से घटाकर 49 की गई थी। बयान में कहा गया, "भारतीय वीजा व्यवस्था को सरल बनाने पर विचार करते समय सरकार ने विकसित देशों की वीजा प्रणालियों और वैश्विक मानकों का अध्ययन किया।" इसमें कहा गया कि यात्रा के समान उद्देश्यों वाली वीजा श्रेणियों को एक साथ करने का मकसद वैध रूप से भारत आने वाले विदेशी नागरिकों की सुविधा बढ़ाने के साथ ही उनके लिए उपयुक्त वीजा श्रेणी की पहचान को अधिक स्पष्ट और आसान बनाना है। बयान के मुताबिक, फिलहाल 172 देशों के नागरिकों को ई–वीजा की सुविधा उपलब्ध है और इसके तहत 13 उप–श्रेणियों में आवेदन की प्रक्रिया पूरी की जाती है। पहले 'पर्यटक' वीजा' के नाम से जानी जाने वाली श्रेणी का नाम बदलकर 'आगंतुक वीजा' कर दिया गया है। इसका उद्देश्य पारंपरिक पर्यटन के अलावा यात्रा के अन्य अनुमत उद्देश्यों को भी इसमें शामिल करना है। इस श्रेणी को दो उप–श्रेणियों, वी–1 और वी–2 में समेट दिया गया है।

ब्राह्मणों को मुसलमानों और अति पिछड़ों से रिश्ते सुधारने चाहिए – प्रशांत किशोर

पटना, (एजेंसी)। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बिहार में सामाजिक और राजनीतिक संबंधों को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य में ब्राह्मण समुदाय के लोगों को मुसलमानों और अत्यंत पिछड़े वर्गों के लोगों के साथ अपने रिश्ते सुधारने की जरूरत है। प्रशांत किशोर ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ ब्राह्मणों के जुड़ाव को लेकर भी टिप्पणी की। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के साथ जुड़कर ब्राह्मणों ने बिना किसी वजह के खुद को दूसरे समुदायों से दूर कर लिया है। इसके साथ ही प्रशांत किशोर ने कुछ दिन पहले उत्तरी बिहार के एक कस्बे के दौरे के दौरान दिए गए अपने एक बयान का भी बचाव किया है।जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बिहार में विभिन्न सामाजिक समुदायों के बीच संबंधों को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने विशेष रूप से ब्राह्मण समुदाय का उल्लेख करते हुए कहा कि इस समुदाय के लोगों को मुसलमानों और अत्यंत पिछड़े वर्गों के साथ अपने रिश्तों को बेहतर बनाने की आवश्यकता है। किशोर ने अपने बयान में सामाजिक संबंधों के साथ राजनीतिक जुड़ाव के मुद्दे को भी उठाया। प्रशांत किशोर ने दावा किया कि भाजपा के साथ जुड़ने के कारण ब्राह्मण समुदाय ने खुद को अन्य समुदायों से दूर कर लिया है। उन्होंने इस दूरी को अनावश्यक बताते हुए कहा कि ब्राह्मणों ने बिना किसी वजह के खुद को दूसरों से अलग कर लिया है। जन सुराज पार्टी के संस्थापक का यह बयान बिहार में विभिन्न समुदायों के बीच राजनीतिक और सामाजिक संबंधों को लेकर सामने आया है।



पीले ध्वजों के साथ निकली भगवान चित्रगुप्त की भव्य वैभव यात्रा, जयकारों से गूंज उठी रामनगरी

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। ढोल–नगाड़ों और डीजे पर गूंजते भक्ति गीत, हाथों में लहराते पीले ध्वज और भगवान चित्रगुप्त के जयकारे... बुधवार को रामनगरी अयोध्या में भगवान चित्रगुप्त की भव्य वैभव यात्रा ने श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक एकजुटता का अनूठा संदेश दिया।अयोध्या कायस्थ विकास संस्थान के तत्वावधान में निकली यात्रा में हजारों की संख्या में महिला, पुरुष और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की।गांधी पार्क से गणेश वंदना के साथ यात्रा का शुभारंभ हुआ।इसके बाद भगवान चित्रगुप्त की स्तुति और जयघोष के बीच श्रद्धालुओं का कारवां रिकाबगंज,चौक, बाजाजा और फतेहगंज होते हुए चित्रगुप्त हॉस्टल पहुंचा।यात्रा में विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों सहित समाज के लोगों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया।हाथों में पीले ध्वज लिए श्रद्धालुओं की टोली और भक्ति गीतों की गूंज से पूरा मार्ग भक्तिमय हो उठा। जगह–जगह लोगों ने पुष्पवर्षा और स्वागत के माध्यम से यात्रा का अभिनंदन किया।वैभव यात्रा का विभिन्न स्थानों पर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी, पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडेय पवन, राकेश सहदेव, मानस परिवार, पूर्व पार्षद अन्नू जायसवाल, दिनेश जायसवाल, पार्षद हरिश्चंद्र गुप्ता और विकास सिंह सहित अन्य लोगों ने स्वागत किया।चित्रगुप्त हॉस्टल पहुंचने पर यात्रा का समापन हुआ। यहां भगवान चित्रगुप्त की विधिवत स्तुति और आरती की गई। इसके बाद श्रद्धालुओं के बीच भोजन प्रसाद वितरित किया गया।इस अवसर पर संस्थान के अध्यक्ष अरुण श्रीवास्तव, प्रवक्ता जेपी श्रीवास्तव, प्रतीक श्रीवास्तव, राजीव श्रीवास्तव एडवोकेट, भाजपा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, श्याम कृष्ण श्रीवास्तव, आशीष श्रीवास्तव, सुनील श्रीवास्तव एडवोकेट, राजेश श्रीवास्तव, विशाल श्रीवास्तव,हिमांशु श्रीवास्तव, मनोज श्रीवास्तव, ज्ञानेश्वर भटनागर, अजय बच्चा, संग्राम सिंहा, अंशुमाली श्रीवास्तव, विवेक श्रीवास्तव विक्की, स्वप्निल श्रीवास्तव, अखिलेश श्रीवास्तव रानू, अनिल श्रीवास्तव, मधुकर आनंद, मोना श्रीवास्तव, अंजू श्रीवास्तव, ममता श्रीवास्तव,दीपा आनंद, पल्लवी वर्मा, एकता भटनागर, अंशिका, आरती श्रीवास्तव और मनीषा सहित हजारों चित्रांश बंधु मौजूद रहे।



संपादकीय

प्रतिरोध पर उतरना ही एकमात्र रास्ता

जब मूलभूत प्रश्न राजनीतिक दलों के लिए महत्त्वपूर्ण नहीं रहते और लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं जन समस्याओं का समय पर समाधान नहीं कर पातीं, तो जाहिर है, लोगों को प्रतिरोध पर उतरना ही एकमात्र रास्ता नजर आता है। सड़कों पर उतरे असंतोष की चपेट में आने वाला सबसे नया देश इंडोनेशिया बना है। इससे पहले फ्रांस से लेकर अर्जेंटीना और इटली से लेकर ट्यूनिशिया तक में छात्र और युवाओं ने सड़कों पर उतर कर वहां मौजूद हालात पर अपना विरोध जताया है। इस सिलसिले में यह वाजिब राय बनी है कि दुनिया के अलग–अलग कोनों से जन प्रदर्शनों और आंदोलनों की आ रही तस्वीरें दरअसल एक बड़े वैश्विक संकट और बढ़ते जा रहे युवा असंतोष की ओर इशारा करती हैं। यूरोप के समृद्ध देशों में भी बढ़ती महंगाई शिक्षा के गिरते स्तर से असंतुष्ट नौजवान सड़कों पर उतरने को मजबूर हुए हैं। लगभग हर जगह वे संस्थानों से निष्पक्षता, पारदर्शिता, और अपने लिए बेहतर भविष्य की मांग कर रहे हैं। फ्रांस में स्कूलों की खराब स्थिति, बेल्जियम, ग्रीस और अर्जेंटीना में उच्च शिक्षा बजट में कटौती, और स्पेन एवं पुर्तगाल में मकान किराये में बेलगाम बढ़ोतरी ने नौजवानों में गुस्सा भड़काया है। अल्बानिया में छात्रों ने भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया है और शिक्षा सुधारों की मांग कर रहे हैं, जबकि ट्यूनिशिया में आर्थिक तंगी के साथ–साथ लोकतांत्रिक अधिकारों और सिकुड़ती गई स्वतंत्रताओं को लेकर गहरा आक्रोश है। इंडोनेशिया में महंगाई ने नौजवानों को सड़क पर आने के लिए विवश किया है। स्पष्ट है कि ये आंदोलन छिटपुट घटनाएं नहीं हैं, बल्कि वर्तमान आर्थिक और संस्थागत ढांचों के प्रति नई पीढ़ी में गहराए अविश्वास का परिणाम हैं। नव–उदारवाद के दौर में दुनिया भर में शिक्षा के व्यापारीकरण हुआ है, वहीं मकान, बिजली, और रोजगार के अवसर आदि युवाओं की पहुंच से दूर होते जा रहे हैं। जब मूलभूत प्रश्न राजनीतिक दलों के लिए महत्त्वपूर्ण नहीं रह जाते और लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं लोगों की समस्याओं का समय पर समाधान नहीं कर पातीं, तो जाहिर है, लोगों को प्रतिरोध पर उतरना ही एकमात्र रास्ता नजर आता है। अतरू आंसू गैस, वॉटर कैनन, या धर–पकड़ जैसे बल प्रयोग से जन आक्रोश को दबाने का तरीका अस्थायी रूप से ही कारगर हो सकता है। सत्ताधारियों ने यह बात नहीं समझी, तो वे अधिक बड़ी उथल–पुथल को आमंत्रित करेंगे। और यह बात हर देश पर लागू होती है!

मत्स्य पालन से समृद्ध हो रही सरगुजा की ग्रामीण अर्थव्यवस्था

छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचलों में अब खेतों और तालाबों के साथ आजीविका डबरियां, जलाशय और अमृत सरोवर भी किसानों तथा ग्रामीण परिवारों की आर्थिक समृद्धि का माध्यम बन रहे हैं। खेती और पशुपालन के साथ मत्स्य पालन को अपनाकर ग्रामीण परिवार अपनी आय के स्रोत बढ़ा रहे हैं। सरगुजा जिले में शासन की विभिन्न योजनाओं, मत्स्य पालन विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन और स्थानीय जल संसाधनों के बेहतर उपयोग से आजीविका के नए अवसर विकसित हो रहे हैं। कहीं मछुआरा सहकारी समितियों के सैकड़ों सदस्य सामूहिक मत्स्य पालन से अपने परिवारों का भरण–पोषण कर रहे हैं, तो कहीं किसान डबरी में मछली पालन के साथ सब्जी उत्पादन और सिंचाई का लाभ उठा रहे हैं। वहीं स्व–सहायता समूहों की महिलाएं अमृत सरोवरों में मछली पालन कर आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में ग्रामीण आजीविका को मजबूत बनाने और स्वरोजगार के अवसरों का विस्तार करने की दिशा में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत मिलने वाली अनुदान सहायता और विभागीय मार्गदर्शन से मत्स्य पालन को व्यवसाय के रूप में अपनाने के अवसर बढ़ रहे हैं। सरगुजा जिले में पारंपरिक जलाशयों से लेकर आधुनिक बायोफ्लॉक तकनीक तक मत्स्य पालन के विविध स्वरूप सामने आ रहे हैं। इन प्रयासों की विशेषता यह है कि ग्रामीण परिवार उपलब्ध भूमि और जल संसाधनों का उपयोग एक से अधिक आजीविका गतिविधियों के लिए कर रहे हैं। घुनघुट्टा जलाशय बना 381 मछुआरों की आजीविका का आधार सरगुजा जिले का घुनघुट्टा जलाशय सामूहिक मत्स्य पालन के माध्यम से ग्रामीण परिवारों को आजीविका उपलब्ध कराने का उदाहरण है। यहां आदिवासी मछुआ सहकारी समिति, कलगसा के 381 सदस्य मत्स्य पालन से जुड़े हुए हैं। समिति को जलाशय 10 वर्ष की अवधि के लिए पट्टे पर उपलब्ध कराया गया है, जिससे सदस्य संगठित रूप से मत्स्य उत्पादन की गतिविधियां संचालित कर रहे हैं। जलाशय में मछली पालन से जुड़े कार्य इन परिवारों के लिए आजीविका का महत्वपूर्ण साधन बने हुए हैं। समिति के अध्यक्ष श्री राम बिलोच राम बताते हैं कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत मछली बीज के लिए 7 लाख 62 हजार रुपये की अनुदान सहायता मिलती है। इस सहयोग से जलाशय में मत्स्य उत्पादन की गतिविधियों को आगे बढ़ाने में मदद मिल रही है। सहकारी समिति के माध्यम से सामूहिक प्रयासों का लाभ बड़ी संख्या में मछुआरा परिवारों तक पहुंच रहा है। घुनघुट्टा जलाशय का यह उदाहरण दर्शाता है कि उपलब्ध जल संसाधनों का योजनाबद्ध उपयोग और सहकारी व्यवस्था ग्रामीण परिवारों के लिए स्थायी आजीविका के अवसर विकसित करने में सहायक हो सकती है। आजीविका डबरियों से मछली पालन और खेती को दोहरा लाभ ग्रामीण क्षेत्रों में निर्मित आजीविका डबरियां अब केवल वर्षा जल संरक्षण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि किसानों के लिए अतिरिक्त आय का माध्यम भी बन रही हैं। इन डबरियों में वर्षा जल का संचय कर किसान मछली पालन कर रहे हैं और आवश्यकता के अनुसार पानी का उपयोग सब्जी उत्पादन तथा फसलों की सिंचाई में भी कर रहे हैं। इससे एक ही संसाधन का उपयोग कई आर्थिक गतिविधियों के लिए संभव हो रहा है। लखनपुर विकासखंड के किसान श्री शिवबालक ने अपनी आजीविका डबरी में कतला, रोहू, मृगल और ग्रास कार्प प्रजाति की मछलियों का पालन किया। उन्होंने लगभग दो क्विंटल मछली की बिक्री कर 20 से 25 हजार रुपये की आमदनी प्राप्त की। मछली पालन के साथ वे डबरी में संचित पानी का उपयोग सब्जी उत्पादन के लिए भी करते हैं। इस प्रकार डबरी उनके लिए जल संरक्षण, मत्स्य पालन और खेती को जोड़ने वाला उपयोगी संसाधन बन गई है। इसी तरह बतौली विकासखंड के किसान श्री लक्ष्मी प्रसाद ने डबरी में मछली पालन से लगभग एक लाख रुपये की आय अर्जित की है। उन्होंने करीब 20 क्विंटल मछली उत्पादन का आकलन किया है। डबरी में उपलब्ध पानी का उपयोग वे साग–सब्जी और गेहूं की सिंचाई के लिए भी कर रहे हैं। मत्स्य पालन से प्राप्त आय और सिंचाई की सुविधा ने उनके कृषि कार्यों को अतिरिक्त सहारा दिया है। इन उदाहरणों से स्पष्ट होता है कि जल संरक्षण के लिए विकसित संरचनाओं को आजीविका गतिविधियों से जोड़ने पर किसानों को अतिरिक्त आर्थिक अवसर मिल सकते हैं। पहाड़ी कोरवा परिवार भी अपना रहे मछली पालन, डबरी की मेड़ों पर फलदार पौधों से अतिरिक्त आय की तैयारी सरगुजा जिले में आजीविका डबरियों के माध्यम से मत्स्य पालन का विस्तार अन्य ग्रामीण परिवारों तक भी हो रहा है। अम्बिकापुर विकासखंड की श्रीमती जोशमनि एक्का के परिवार ने 2 लाख 99 हजार रुपये की लागत से निर्मित डबरी में मछली पालन शुरू किया है।

राहुल की चुनौती स्वीकार नहीं करते मोदी



योगेंद्र

वास्तविक लोकतंत्र वहीं होता है, जहां सत्तापक्ष विपक्ष और पत्रकारों के सवालों के जवाब दे। देश में सत्तापक्ष का मुखिया प्रधानमंत्री होता है, इसलिए सवालों का अंतिम पड़ाव भी प्रधानमंत्री होता हैं। इस दृष्टि से भारतीय लोकतंत्र का यह पक्ष कमजोर माना जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर सत्ता में आने के बाद से लगातार विपक्ष और पत्रकारों के सवालों की उपेक्षा के आरोप लगते रहे हैं। यह आरोप सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी लगे हैं। इतना ही नहीं विपक्ष की आवाज दबाने के आरोपों का सामना लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति को करना पड़ा है। सर्वाधिक आश्चर्य की बात यह है कि पीएम मोदी ने कभी भी विपक्ष के आरोपों का सीधा जवाब नहीं दिया। ऐसे मौकों पर पीएम मोदी के बजाए भाजपा के नेता और मंत्री ही सवालों के जवाब आरोपों के अंदाज में देते रहे हैं। पीएम मोदी मन की बात या दूसरे मुद्दों पर सोशल मीडिया का ही उपयोग करते रहें हैं। संसद और बाहर उठाए गए सवालों के जवाब में सत्तारुढ़ भाजपा ने उल्टे सवाल पूछ कर मुद्दों को गोलमोल करने का प्रयास किया हैं। विपक्ष यही आरोप संसद सत्र के दौरान लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति पर लगाता रहा है। राहुल गांधी ने 3 दिन में 4 बार पीएम को मुद्दों पर बहस करने की चुनौती दी। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर विदेशी ताकतों के दबाव में काम करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि मोदी विपक्ष पर देश विरोधी होने और विदेशी ताकतों से संबंध रखने के आरोप लगाते हैं, इसलिए उन्हें इन मुद्दों पर खुली बहस करनी चाहिए। राहुल ने बहस के लिए भारत–अमेरिका ट्रेड डील, देश की आर्थिक व्यवस्था, उद्योगपति गौतम अडाणी और जेफ्री एपस्टीन से जुड़े मुद्दे उठाए। उन्होंने कहा कि बहस में देश के युवा और मीडिया भी मौजूद रहें। प्रधानमंत्री अपनी पसंद की जगह और जज चुन सकते हैं। राहुल गांधी ने संसद की कार्यवाही को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए। उनका आरोप है कि सरकार चर्चा की बात करती है, लेकिन विपक्ष को अपनी बात रखने का मौका नहीं देती। उन्होंने कहा कि जब वे बोलने की कोशिश करते हैं तो उनका माइक बंद कर दिया जाता है। 2 नवंबर को राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री मोदी को खुली बहस की चुनौती दी। इसी तरह 3 नवंबर को राहुल ने वीडियो जारी कर कहा कि मोदी को बहस की चुनौती दिए 24 घंटे हो चुके हैं, लेकिन उनकी तरफ से जवाब नहीं आया। पंजाब के संगरूर में 4 नवंबर को कांग्रेस की इंसाफ रैली में राहुल ने फिर मोदी को चुनौती दी। राहुल ने दावा किया कि पांच मिनट की बहस में वे साबित कर देंगे कि मोदी श्देशद्रोहीश हैं और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नियंत्रण में हैं। राहुल के सवालों पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने जवाब देने के बजाए उल्टे सात सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि अगर राहुल इन बातों पर अमल करें तो कांग्रेस संसद में ज्यादा सीटें जीत सकती है। रिजिजू ने कहा– राहुल को भाजपा को दुश्मन नहीं, राजनीतिक विरोधी समझना चाहिए। उन्हें भाजपा, आरएसएस और प्रधानमंत्री मोदी के प्रति नफरत छोड़कर संसद की कार्यवाही में हिस्सा लेना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने संसद का एक पुराना वीडियो भी शेयर किया। इसमें वे भाषण दे रहे हैं और विपक्षी सांसद सदन से उठकर जाते दिख रहे हैं। राहुल पहले भी बहस की चुनौती दे चुके हैं। राहुल ने अगस्त 2018 में कर्नाटक के बेलगाम में जनध्वनि रैली में राफेल मुद्दे पर कहा था कि मोदी जी और मेरे बीच राफेल पर बहस करा दो, मैं घंटों बोलूंगा। जनवरी 2019 में राहुल गांधी ने कहा कि राफेल पर लोकसभा में मुझे पीएम के साथ 20 मिनट वन टु वन बहस करने दो, अमरीका के प्रेसिडेंशियल डिबेट की तरह। साथ ही कहा था कि पीएम में हिम्मत नहीं है। 7 अप्रैल 2019 को भ्रष्टाचार पर मेनिफेस्टो लॉन्च पर मोदी के एक इंटरव्यू के बाद राहुल ने ट्वीट किया था कि आप भाग सकते हैं, लेकिन छिप नहीं सकते, मैं आपको भ्रष्टाचार पर बहस की चुनौती देता हूं। गौरतलब है कि 2024 चुनाव से पहले भी राहुल समेत विपक्ष ने पूर्व जजों (मदन लोकुर, एपी शाह) के जरिए पीएम को लेटर लिखकर नेशनल सिक्योरिटी, अडानी, इलेक्टोरल बॉन्ड पर डिबेट को कहा था, जिस पर पीएमओ की ओर से कोई जवाब नहीं दिया गया। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने अपने दस साल के कार्यकाल के दौरान संसद को 48 बार संबोधित किया था। तब गुजरात के सीएम रहे नरेंद्र मोदी ने उन्हें 'मौन मोहन' कहा था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संसद में अब तक 22 बार ही बोले हैं। एचडी देवगौड़ा जो सिर्फ करीब दो साल के लिए प्रधानमंत्री थे, उन्होंने भी संसद में मोदी से ज़्यादा बार बोला था। बीजेपी के ही अटल बिहारी वाजपेयी ने भी छह सालों में 77 बार संसद को संबोधित किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यूरोप दौरे में प्रेस के सवाल न लेने के फैसले पर विवाद रहा है। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनस गार स्टोरे के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान नॉर्वे की एक महिला पत्रकार ने प्रधानमंत्री मोदी से मीडिया के सवालों का जवाब देने का आग्रह किया था। लेकिन पीएम मोदी ने कोई सवाल नहीं लिया था। नॉर्वे की महिला पत्रकार हेला लेंग ने विदेश मंत्रालय की ब्रीफिंग में भी मानवाधिकारों को लेकर सवाल उठाए। इस पर विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत एक सिवलाइजेघ्शनल नेशन है। इससे पहले हेला लेंग ने ओस्लो के गवर्नमेंट गेस्ट हाउस में प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री स्टोर की प्रेस ब्रीफिंग खघ्त्म होने के बाद खड़े होकर सवाल पूछा था। हेला ने पूछा था कि प्रधानमंत्री मोदी, आप दुनिया की सबसे स्वतंत्र प्रेस के सवाल क्यों नहीं लेते? क्या आप हमारी सरकार के विश्वास के योग्य हैं? पीएम मोदी ने इन सवालों का कोई जवाब नहीं दिया था। हेला के सवाल पर भारत में भी काफी बहस रही। तब भी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को आड़े हाथों लिया और पूछा कि सवालों से घबरा क्यों रहे हैं? इन विवादों को सुलझाने के लिए विदेश मंत्रालय ने भारत के लोकतंत्र का बचाव किया। पीएम मोदी के इस दौरे में दूसरी बार था, जब इन मुद्दों पर सरकार को सफाई देनी पड़ी। रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स द्वारा जारी 2026 के वर्ल्ड विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत को 180 देशों में 157वां स्थान मिला है। इससे भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि प्रभावित होती है। सत्ता में बहुमत के बूते विपक्ष और मीडिया की आवाज को अनसुना करना देश के लोकतंत्र के लिए बेहद घातक है। इससे कहीं न कहीं सरकारी तंत्र में तानाशाही पनपने की संभावना रहती हैं। यही कारण भी है कि देश में भ्रष्टाचार, भाई भतीजावाद, सरकारी तंत्र का गैरजिम्मेदारी वाला आचरण नजर आता है।

बदलाव का जरिया बन सकेगी रामलीला मैदान की रैली

उमेश

सत्ता के खिलाफ विपक्षी दल जब भी रामलीला मैदान में रैली करते हैं, उनकी स्मृति में सात फरवरी 1977 की तारीख होती है। आपातकाल के बाद दिल्ली की उतरती ठंड के बीच जेपी के नाम से विख्यात जयप्रकाश नारायण की अगुआई में हुई रैली में ही सत्ता परिवर्तन के बीज पड़े थे। इसे संयोग ही कहेंगे कि करीब आधी सदी बाद इसी रामलीला मैदान में आयोजित रैली के किरदार बदले हुए थे। 1977 में जिस रैली के निशाने पर कांग्रेस थी, करीब पांच दशक बाद की रैली में कांग्रेस बदली हुई भूमिका में रही। इंदिरा के पोते राहुल गांधी की अगुआई में हुई 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली में निशाने पर वह भारतीय जनता पार्टी रही, जो तब जेपी की अगुआई में इंदिरा के खिलाफ खड़ी थी। यह बताने की जरूरत नहीं कि इसके कुछ ही दिनों बाद हुए आम चुनावों में सर्वशक्तिमान मानी जाने वाली इंदिरा गांधी की सत्ता का शिराजा बिखर गया था। ऐसे में सवाल यह उठना लाजमी है कि क्या राहुल की अगुआई वाली रामलीला मैदान की रैली देश की सत्ता को बदलने में कामयाब हो पाएगी? सवाल यह भी है कि क्या मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार अपने पद से हटने के लिए मजबूर हो जाएंगे। केंद्रीय सत्ता पर नरेंद्र मोदी के काबिज होने के बाद विपक्षी दल बदलाव के प्रतीक माने जाने वाले रामलीला मैदान पर पांच और रैलियां आयोजित कर चुके हैं। हर रैली में मोदी को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया गया। लेकिन कुछ–एक राज्यों की सत्ता को छोड़ दें तो विपक्षी दलों की रैलियां 1977 की तरह कामयाब नहीं रहीं। हालांकि सरकार को अपने कुछ कदम जरूर पीछे खींचने पड़े। नरेंद्र मोदी के सत्ता में आए अभी एक साल भी पूरा नहीं हुआ था, जब 19 अप्रैल 2015 को कांग्रेस की अगुआई में विपक्षी दलों ने श्किसान–खेत मजदूरश रैली आयोजित की थी। मोदी सरकार द्वारा लाए गए श्भूमि अधिग्रहण अध्यादेशश के विरोध में आयोजित इस रैली के बाद सरकार को अपने कदम पीछे खींचने पड़े थे। कांग्रेस की ही अगुआई में विपक्षी दलों ने 14 दिसंबर 2019 को इसी रामलीला मैदान में श्भारत बचाओश रैली की थी। जिसका मकसद, देश की आर्थिक स्थिति, गिरते जीडीपी, बेरोजगारी और नागरिकता संशोधन कानून जैसे मुद्दों पर मोदी सरकार को घेरना रहा। इस रैली का असर यह हुआ कि नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ देश के कई हिस्से महीनों तक आंदोलनरत रहे। कांग्रेस की अगुआई में विपक्षी दलों ने रामलीला मैदान में चार सितंबर 2022 को श्महंगाई पर हल्ला बोलश रैली के जरिए मोदी सरकार को घेरने की कोशिश की। इस रैली में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी लगाने का विरोध किया गया। 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली में राहुल गांधी के भाषण की खूब चर्चा है। कुछ इसी तरह इस रैली में भी राहुल गांधी ने जो कहा था, उसे लेकर कई दिनों तक चर्चा और विमर्श जारी रहा। पिछले आम चुनाव के ठीक पहले 31 मार्च 2024 को फिर कांग्रेस ने विपक्षी दलों की श्लोकतंत्र बचाओश महारैली आयोजित की। इस रैली का मकसद शराब घोटाले में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और भूमि घोटाले में झारखंड के तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी का विरोध करना रहा। इस रैली मोदी सरकार के विरोध में गठित विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन की ताकत दिखाना भी रहा। मोदी सरकार के गठन के बाद कांग्रेस की अगुआई में आयोजित हुई रामलीला मैदान की रैलियों के परिणामों पर नजर डालें तो देखेंगे कि 2024 की रैली के अलावा किसी दूसरी रैली का मोदी सरकार की सेहत पर खास असर नहीं दिखा। 2024 के आम चुनावों में बीजेपी का बहुमत के आंकड़े से दूर होने के पीछे इस रैली के असर को देखा–समझा जा सकता है। फिर भी कहा जा सकता है कि इस रैली ने मोदी के अजेयता के मिथ को चोट जरूर पहुंचाई। यह बात और है कि इससे बीजेपी निराश नहीं हुई। अगर वह निराश हुई होती तो वह बिहार, असम, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र के चुनाव नहीं जीत सकती थी। विपक्ष चाहे लाख दावा करे कि इन राज्यों में एसआईआर के बहाने वोटों की चोरी हुई, लेकिन इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि मोदी की अगुआई में बीजेपी निराशा झाड़कर उठ खड़ी होती रही और चुनाव–दर–चुनाव सफलताएं हासिल करती रही। राहुल गांधी के निशाने पर इन दिनों चार लोग हैं और अपने हर भाषण और प्रेस कांफ्रेंस में वह अशोभन ढंग से इन नामों पर हमला करते रहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, संघ प्रमुख मोहन भागवत और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का नाम लेकर राहुल टिप्पणियां कर रहे हैं। रामलीला मैदान में भी उन्होंने अशोभन तरीके से नाम लिए, लेकिन लगे हाथों यह कहने से



भी नहीं चूके कि वे किसी से नफरत नहीं करते। राहुल का यह रूप दिलचस्प ही कहा जाएगा कि नफरत नहीं भी करते, लेकिन उनके शब्दों में नकारात्मकता ठीक से झलकती है। कांग्रेस के रणनीतिकार मानें या न मानें, लेकिन अमर्यादित तरीके से निशाना बनाने के चलते राहुल के शब्दों को आम जन गंभीरता से नहीं ले पाता। लोकसभा के चुनाव में अभी दो साल का वक्त है, लेकिन अगले कुछ महीनों में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। उत्तर प्रदेश को छोड़कर हर राज्य में कांग्रेस प्रमुख प्रतिद्वंद्वी है। पंजाब में उसका मुकाबला विपक्षी खेमे के ही आम आदमी पार्टी से है। यहां उसके लिए कशमकश की स्थिति है। उत्तर प्रदेश में वह समाजवादी पार्टी की पिछलग्गू है। हालांकि वह कोशिश कर रही है कि पिछलग्गू का ठप्पा उसके दामन से साफ हो सके। बाकी तीन राज्यों में वह बीजेपी के बरक्स मुकाबले में है। रामलीला मैदान की रैली का घोषित उद्देश्य भले ही मोदी, शाह, और भागवत का विरोध एवं ज्ञानेश का इस्तीफा लेना हो। लेकिन अघोषित मकसद इन राज्यों के चुनावी समर में बीजेपी को मात देना है। इस दिशा में अभी से माहौल बनाना है। मोदी के उभार के बाद रामलीला मैदान में आयोजित अतीत की रैलियों और एक नवंबर की रैली में एक अंतर साफ दिखता है। पहले ममता समेत कुछ विपक्षी दल राहुल को नेता मानने से कतराते थे। लेकिन इस रैली में एक तरह से राहुल की अगुआई स्वीकार कर ली गई है। राहुल निर्विवाद तौर पर विपक्षी खेमे के नेता के तौर पर उभरे हैं। विपक्षी खेमे में राहुल की यह स्वीकारोक्ति बीजेपी के लिए चिंता का सबब हो सकती है। 1977 की रैली के दौरान जेपी ने जो कहा था, जैसे शब्दों का प्रयोग उन्होंने किया था,।

उत्तर प्रदेश 2027 - सत्ता की परीक्षा, समीकरणों की अग्निपरीक्षा



ललित

उत्तर प्रदेश की राजनीति में 2027 का विधानसभा चुनाव अभी कई महीने दूर है, लेकिन सत्ता की बिसात बिछ चुकी है। 403 विधानसभा सीटों वाला उत्तर प्रदेश केवल एक राज्य का चुनाव नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने वाला निर्णायक राजनीतिक रणक्षेत्र है। इसीलिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सक्रियता, भाजपा संगठन में बदलाव, अखिलेश यादव की राजनीतिक रणनीति, विपक्षी दलों के संभावित गठजोड़ और मुस्लिम मतदाताओं को लेकर बन रहे नए समीकरण–सभी पर देश की निगाहें टिकी हैं। प्रश्न है कि योगी की मजबूत पकड़ के सामने विपक्ष की चुनौती, मुस्लिम मतों से आगे हिंदू मतदाताओं की बदलती मनोदशा निर्णायक बन पायेगी? प्रश्न यह भी है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का चेहरा एवं योजनाएं भी क्या प्रदेश का राजनीतिक नेतृत्व एवं भाग्य रचने में सहायक होगी? सबसे पहले भाजपा की स्थिति को देखें तो उसके सामने सबसे बड़ी ताकत योगी आदित्यनाथ का नेतृत्व और सरकार की उपलब्धियों का दावा है। कानून–व्यवस्था, बुनियादी ढांचे, एक्सप्रेस–वे, धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के विकास तथा केंद्र–राज्य की योजनाओं को भाजपा चुनावी मुद्दा बनाने की तैयारी में है। योगी का दावा है कि 2027 का मुकाबला '80 बनाम 20' के रूप में होगा और भाजपा गठबंधन 300 से अधिक सीटें जीतेगा। लेकिन चुनावी राजनीति में दावे और वास्तविक जनभावना के बीच अंतर होता है। इसलिए भाजपा के लिए चुनौती केवल अपनी उपलब्धियां गिनाना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि सत्ता–विरोधी भावना उसके पारंपरिक सामाजिक आधार में सेंध न लगाए। भाजपा की रणनीति में इस बार मुस्लिम समाज के भीतर पहुंच बनाने का प्रयास भी स्पष्ट दिखाई देता है। अगस्त 2026 में पार्टी की राष्ट्रीय टीम में उत्तर प्रदेश के दो मुस्लिम नेताओं–पूर्व अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. तारिक मंसूर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और कुंवर बासित अली को राष्ट्रीय अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई। राजनीतिक विश्लेषकों ने इसे 2027 से पहले भाजपा की पसमांदा तथा मुस्लिम समाज के कुछ वर्गों तक पहुंच बढ़ाने की रणनीति से जोड़ा है। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश में मुस्लिम आबादी 19.26 प्रतिशत थी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश और कुछ अन्य क्षेत्रों में उनका चुनावी प्रभाव कई सीटों पर निर्णायक हो सकता है। लेकिन भाजपा के लिए चुनौती यह है कि मुस्लिम मतों में सेंध लगाना जितना कठिन है, उससे कहीं अधिक कठिन अपने हिंदू सामाजिक आधार को एकजुट बनाए रखना हो सकता है। यहीं चुनाव का दूसरा और शायद अधिक महत्वपूर्ण पक्ष सामने आता है। मुस्लिम मतों के ध्रुवीकरण की चर्चा के साथ हिंदू मतदाताओं के भीतर बदलती प्राथमिकताओं को भी समझना होगा। मतदाता केवल जाति और धर्म के आधार पर मतदान नहीं करता। रोजगार, महंगाई, किसान, शिक्षा, युवाओं के अवसर, स्थानीय विधायक की छवि, प्रशासनिक व्यवहार और विकास की वास्तविक पहुंच भी चुनावी निर्णय को प्रभावित करते हैं। इसलिए 2027 का चुनाव केवल '80 बनाम 20' के राजनीतिक आख्यान से समझना शायद पर्याप्त नहीं होगा। समाजवादी पार्टी के लिए सबसे बड़ा अवसर यही है। अखिलेश यादव 2024 के लोकसभा चुनाव में बने सामाजिक समीकरणों को विधानसभा स्तर तक मजबूत करना चाहेंगे। पीडीए–पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक का फार्मूला भाजपा के गैर–यादव पिछड़े और दलित मतदाताओं में सेंध लगाने की कोशिश करेगा। सपा के सामने चुनौती यह है कि वह अपने सामाजिक समीकरण को केवल चुनावी नारा न रहने दे, बल्कि बूथ स्तर पर संगठन और उम्मीदवार चयन के माध्यम से उसे वास्तविक राजनीतिक शक्ति में बदल सके। बसपा की भूमिका को भी नजरअंदाज करना भाजपा और सपा दोनों के लिए जोखिम भरा होगा। यदि मायावती दलित मतदाताओं के अपने पुराने आधार को पर्याप्त रूप से सक्रिय कर पाती हैं, तो कई सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबला परिणाम बदल सकता है। कांग्रेस की स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर दिखाई देती है, लेकिन यदि वह सपा के साथ तालमेल बनाकर लड़ती है तो विपक्षी मतों के बिखराव को कुछ हद तक रोक सकती है। लेकिन यहां पूर्व के अनुभवों के आधार पर सपा कांग्रेस से तालमेल करने से पहले फूंक–फूंक कर कदम उठा रही है। भाजपा के सामने दूसरी चुनौती अपने गठबंधन और सामाजिक समीकरणों को संतुलित रखने की है। निषाद पार्टी, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) तथा अन्य सहयोगी दलों की अपेक्षाएं, टिकट वितरण और क्षेत्रीय नेतृत्व की महत्वाकांक्षाएं चुनाव के समय महत्वपूर्ण हो सकती हैं। भाजपा का मजबूत संगठन इन मतभेदों को नियंत्रित कर सकता है, लेकिन टिकट वितरण में छोटी–सी चूक भी कुछ क्षेत्रों में बड़े राजनीतिक नुकसान का कारण बन सकती है। अमित शाह की सक्रियता भी इस चुनाव की गंभीरता को रेखांकित करती है। उत्तर प्रदेश में भाजपा की रणनीति केवल लखनऊ से नहीं, बल्कि दिल्ली के केंद्रीय नेतृत्व की निगरानी में तैयार होने की संभावना है। दूसरी ओर योगी आदित्यनाथ की अपनी लोकप्रियता और प्रशासनिक छवि भाजपा के लिए सबसे बड़ा स्थानीय चुनावी चेहरा है। इसलिए वास्तविक चुनौती यह होगी कि योगी का नेतृत्व और केंद्रीय संगठनात्मक रणनीति कितनी प्रभावी तरह से एक–दूसरे के साथ तालमेल बैठाते हैं। इस चुनाव का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष यही होगा कि 2027 में उत्तर प्रदेश का मतदाता क्या चुनता है–स्थिरता और निरंतरता या परिवर्तन की आकांक्षा। भाजपा के पास संगठन, सत्ता, योगी का चेहरा और व्यापक चुनावी मशीनरी है। विपक्ष के पास सत्ता–विरोधी भावना, सामाजिक न्याय का मुद्दा और भाजपा के खिलाफ विभिन्न वर्गों को एकजुट करने की संभावना है। इसलिए अभी किसी एक दल की जीत को निश्चित मानना जल्दबाजी होगी। भाजपा के लिए 300 पार का लक्ष्य आसान नहीं होगा, लेकिन उसे कमजोर समझना भी विपक्ष की भूल होगी। सपा के सामने अवसर बड़ा है, लेकिन उसे अवसर को जीत में बदलने के लिए सामाजिक समीकरण के साथ संगठनात्मक मजबूती भी दिखानी होगी। बसपा और कांग्रेस की भूमिका कई सीटों पर 'गेम चेंजर' बन सकती है। योगी आदित्यनाथ के सामने 2027 का चुनाव केवल विपक्षी दलों के बनते–बिगड़ते समीकरणों, मुस्लिम मतों के ध्रुवीकरण और समाजवादी पार्टी के बढ़ते प्रभाव की चुनौती नहीं है, बल्कि भाजपा के भीतर संतुलन बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण होगा। ऐसे समय में गृहमंत्री अमित शाह की उत्तर प्रदेश को लेकर सक्रिय रणनीति योगी के लिए सहायक शक्ति बन सकती है। शाह की चुनावी रणनीति का मूल आधार सामाजिक समीकरणों का विस्तार, बूथ स्तर की संगठनात्मक मजबूती और सहयोगी दलों के बीच बेहतर तालमेल रहा है।

भाईदूज पर बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर की दीर्घायु की कामना

काशी और पूर्वांचल में गोधन कूटने की परंपरा निभाई गई, यमराज और यमुना की कथा से जुड़ा है पर्व



ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर समेत पूरे देश में बुधवार को भाई–बहन के अटूट प्रेम और स्नेह का प्रतीक भाईदूज का पर्व श्रद्धा और परंपरागत रीति–रिवाजों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र, सुख–समृद्धि और खुशहाली की कामना की। वहीं काशी और पूर्वांचल में गोधन कूटने की विशेष परंपरा भी निभाई गई। ज्योतिषाचार्य श्री राम शर्मा के अनुसार, भाईदूज पर पूजा के लिए सुबह 11रू15 बजे से दोपहर 12रू30 बजे तक अभिजीत मुहूर्त शुभ रहा। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन बहनों के हाथों तिलक करवाने से भाइयों को दीर्घायु और सुख–समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है। यह पर्व यमराज और उनकी बहन यमुना की पौराणिक कथा से जुड़ा हुआ है। इसी कारण इसे यम द्वितीया भी कहा जाता है। यमराज और यमुना से जुड़ी है पौराणिक कथा ज्योतिषाचार्य ने बताया कि मान्यता के अनुसार, यमुना लंबे समय से अपने भाई यमराज को घर आने का निमंत्रण दे रही थीं। व्यस्तता के कारण यमराज उनके घर नहीं जा पा रहे थे। अंततः यमुना के बार–बार आग्रह करने पर यमराज उनके घर पहुंचे। यमुना ने उनका तिलक कर स्वागत किया और आदर–सत्कार किया। बहन के प्रेम और आतिथ्य से प्रसन्न होकर यमराज ने उन्हें वरदान दिया। तभी से इस दिन को भाईदूज के रूप में मनाने की परंपरा शुरू हुई। गोधन कूटने की है विशेष परंपरा काशी और पूर्वांचल में भाईदूज के अवसर पर गोधन कूटने की परंपरा विशेष रूप से प्रचलित है। इसमें महिलाएं सुबह मूसल की पूजा करती हैं और गोबर से बने गोधन को कूटती हैं। लोकमान्यता के अनुसार, बहनें प्रतीकात्मक रूप से भाई को श्राप देकर गोधन कूटती हैं, ताकि भाई को अकाल मृत्यु से बचाया जा सके। लोककथा के अनुसार, एक बार यमराज के दरबार में ऐसे व्यक्ति को लाने की चर्चा हुई, जिसे उसकी बहन ने कभी श्राप न दिया हो। जब यमराज उस व्यक्ति को लेने पहुंचे तो उसकी बहन को इसकी जानकारी हो गई। भाई की रक्षा के लिए उसने यमराज को श्राप दिया। मान्यता है कि बहन ने गोबर के एक टुकड़े में यमराज की शक्ति समाहित कर दी थी। इसके बाद पान का पत्ता, सुपारी और इलायची रखकर मूसल से गोधन कूटा गया। इस परंपरा के साथ बहनें भाई की रक्षा और लंबी उम्र की कामना करती हैं। इस रस्म के तहत कुछ स्थानों पर बहनें प्रायश्चित स्वरूप अपनी जीभ पर कांटा भी चुभाती हैं। इसे साईं का कांटा चुभाना कहा जाता है। तिलक लगाकर उतारी आरती, खिलाई मिठाई गोधन कूटने की रस्म पूरी होने के बाद बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाया, आरती उतारी और मिठाई खिलाई। भाइयों ने भी बहनों को उपहार देकर उनके प्रति प्रेम और सम्मान प्रकट किया। इस तरह भाईदूज का पर्व भाई–बहन के बीच प्रेम, विश्वास, समर्पण और अटूट रिश्ते का संदेश देता है।

भगवान चित्रगुप्त की भव्य शोभायात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर।श्री चित्रगुप्त भगवान पूजन महासमिति जौनपुर के तत्वावधान में 11 नवंबर को भगवान चित्रगुप्त जी की भव्य शोभायात्रा श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ निकाली गई। शोभायात्रा का शुभारंभ भगवान चित्रगुप्त मंदिर बारीनाथ मठ से हुआ, जो नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए भगवान चित्रगुप्त मंदिर रूहटा पहुंचकर संपन्न हुई। इसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने शामिल होकर अपनी आस्था प्रकट की। पूरे आयोजन के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा। दोनों मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। भगवान चित्रगुप्त एवं भगवान ब्रह्मा जी की भव्य झांकियों का पूजन–अर्चन और आरती की गई। मंदिरों में छप्पन भोग अर्पित किया गया। शोभायात्रा में आकर्षक झांकियां, सुसज्जित रथ, बैंड–बाजे, रोड लाइट और आतिशबाजी लोगों के आकर्षण का केंद्र रही। जगह–जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। शुभारंभ अवसर पर वाराणसी कैंट के विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने कहा कि भगवान चित्रगुप्त जी सर्व समाज के देवता हैं। उन्हें जाति–पाति के बंधन में बांधना उचित नहीं है। भगवान चित्रगुप्त प्रत्येक प्राणी के कर्मों का लेखा–जोखा रखते हैं। जौनपुर में महासमिति द्वारा सर्व समाज को जोड़ने की पहल पूरे देश के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है। राज्यसभा सांसद विद्यासागर सोनकर ने कहा कि भगवान ब्रह्मा जी के पुत्र लेखनी के आराध्य देव भगवान चित्रगुप्त जी का दर्शन–पूजन कर वह स्वयं को धन्य महसूस कर रहे हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष अमेठी एवं राजेश मसाला के निदेशक राजेश अग्रहरी ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि भगवान चित्रगुप्त की आराधना से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शक्ति और प्रेरणा मिलती है। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह ने महासमिति के प्रयासों को समाज को जोड़ने वाला पुनीत कार्य बताया। राष्ट्रवादी मंच भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि भगवान चित्रगुप्त जी को सर्व समाज को जोड़ने की शुरवात हुई है अच्छा कार्य है जो इस संगठन का विरोध करते हैं वह घृणति मानसिकता के लोग हैं जो भगवान चित्रगुप्त जी के बारे में कुछ नहीं जानते हैं। कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष योगेंद्र श्रीवास्तव तथा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष साधना श्रीवास्तव ने भी सर्वसमाज की एकता पर जोर दिया।

कायस्थ महासभा के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश चन्द श्रीवास्तव दीनू भईया ने कहा कि शोभायात्रा हर साल सर्व समाज को जोड़ते हुए निकाली जाएगी। वरिष्ठ पत्रकार विश्व प्रकाश श्रीवास्तव ने कहा भगवान चित्रगुप्त की पूजा के माध्यम से सर्वसमाज को एक मंच पर लाने का प्रयास सराहनीय है। उन्होंने सभी लोगों से भगवान चित्रगुप्त की पूजा–अर्चना करने की अपील की। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी अजय अंबष्ट, व्यापार मंडल के प्रदेश उपाध्यक्ष हरिकेश श्रीवास्तव और नगर पालिका अध्यक्ष मनोरमा मौर्य सहित अनेक गणमान्य लोगों एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया। आयोजन के अंत में महासमिति के संस्थापक अध्यक्ष एवं संयोजक सरस चंद श्रीवास्तव तथा जिलाध्यक्ष मनोज अग्रहरी वरिष्ठ व्यापारी नेता समाजसेवी ने अतिथियों और हजारों श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया। शोभायात्रा में संस्थापक अध्यक्ष गण गिरिजेश श्रीवास्तव, चंद्रमोहन श्रीवास्तव, रविन्द्र अग्रहरि, दयाल सरन श्रीवास्तव, मनोज श्रीवास्तव,विनोद अग्रहरी, डॉ. उमाकांत श्रीवास्तव, राधे रमण जायसवाल, अतुल श्रीवास्तव दीपू भैया,दिनेश चंद श्रीवास्तव दिन्नू भईया, आशीष गुप्ता आशु डॉ प्रियंका श्रीवास्तव, अनुराधा श्रीवास्तव, पूजा श्रीवास्तव, डॉ अंजना सिंह, प्रियंका श्रीवास्तव, मोहन शंकर श्रीवास्तव आनंद श्रीवास्तव, डॉ राम सूरत मौर्य,संतोष अग्रहरी सुशील अग्रहरि, इंदु श्रीवास्तव डॉ प्रमोद वाचस्पति, सुधांशु सिंह,कृष्ण कुमार, डॉ रजनीश



श्रीवास्तव डॉ विवेक श्रीवास्तव डॉ निलेश जी डॉ सलिल जी डॉ शुभम जी, डॉ संजय श्रीवास्तव, दयाशंकर निगम, संदीप श्रीवास्तव मनोज वर्मा, अजय वर्मा अज्जू, संतोष श्रीवास्तव सोनू, रोहित श्रीवास्तव, अनिल श्रीवास्तव, अनीस श्रीवास्तव, शशांक सिंह, विवेक मौर्य, आर्टिटेक नितिन जायसवाल, अजय श्रीवास्तव, आनंद श्रीवास्तव अमित श्रीवास्तव विकास श्रीवास्तव, आशीष श्रीवास्तव प्रिंसिपल, अनुपम श्रीवास्तव, संदीप श्रीवास्तव मनोज श्रीवास्तव, राम जी गुप्ता प्रदीप श्रीवास्तव राकेश श्रीवास्तव, दिनेश टंडन, सोमेश्वर केसरवानी, रमेंद्र नाथ श्रीवास्तव,रोहित श्रीवास्तव अमर श्रीवास्तव शिव शंकर श्रीवास्तव बबलू श्रीवास्तव अभिषेक श्रीवास्तव जिक्की विनय श्रीवास्तव मनोज वर्मा, अवधेश सिंह मनीष सेठ सारिका सचिन सोनी शालेंद्र मोहन श्रीवास्तव रजत श्रीवास्तव , प्रशांत पंकज श्रीवास्तव, शशि श्रीवास्तव गुड्डू, अमित श्रीवास्तव, संतोष अग्रहरि, जय प्रकाश, राजेश किशोर श्रीवास्तव, देवेन्द्र श्रीवास्तव गणतंत्र श्रीवास्तव गौरव श्रीवास्तव मनीष श्रीवास्तव अमर श्रीवास्तव अनिल श्रीवास्तव अनीस श्रीवास्तव शिव शंकर श्रीवास्तव , विवेक सेठ मोनू समाजसेवी भाजपा नेता,विनीत सेठ समाजसेवी व्यापारी नेता, राजीव श्रीवास्तव, महेंद्र सिंह, लखन श्रीवास्तव, विजय श्रीवास्तव अतुल पाण्डेय, सुनील श्रीवास्तव इंस्पेक्टर, अखिलेश श्रीवास्तव बबलू, सहित अनेक सामाजिक, धार्मिक एवं गणमान्य लोग, पत्रकार बंधु सहित 12 कायस्थ संगठनों के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।संचालन राजेश श्रीवास्तव बच्चा भईया एडवोकेट ने किया।उक्त जानकारी समिति के मीडिया प्रभारी विश्व प्रकाश श्रीवास्तव ने दिया। कृपया सभी फोटो लगाने का कष्ट करें खबर प्रमुखता से लगाए

भाई दूज पर ब्रह्माकुमारीज बदलापुर सेवा केंद्र में स्नेह और आध्यात्मिकता का दिखा अनूठा संगम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर।भाई–बहन के अटूट प्रेम, विश्वास, समर्पण और आत्मीयता का प्रतीक भाई दूज का पर्व बदलापुर कस्बे में आध्यात्मिक उल्लास एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर कस्बा स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केंद्र में भव्य स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य संचालिका बी.के. आरती दीदी की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रेम, सद्भाव, भाईचारे और आध्यात्मिक चेतना की अनुपम छटा देखने को मिली। पूरे सेवा केंद्र का वातावरण आत्मीयता, पवित्रता और सकारात्मक ऊर्जा से सराबोर रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ आध्यात्मिक भाव एवं मंगलकामनाओं के साथ हुआ। इस अवसर पर बहनों ने भाइयों के माथे पर कुमकुम का तिलक लगाकर उनके सुख, शांति, उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि की मंगलकामना की। वहीं भाइयों ने भी बहनों के प्रति सम्मान, स्नेह और आत्मीयता प्रकट करते हुए भाई दूज के पर्व की शुभकामनाएं दीं। समारोह में पारंपरिक पर्व की गरिमा के साथ आध्यात्मिक ज्ञान और ईश्वरीय प्रेम का सुंदर समन्वय देखने को मिला।मुख्य संचालिका बी.के. आरती दीदी ने अपने संबोधन में कहा कि भाई दूज केवल एक पारंपरिक त्योहार नहीं, बल्कि आत्मिक प्रेम, पवित्रता और निस्वार्थ संबंधों को मजबूत करने का विशेष अवसर है। उन्होंने शिव बाबा के निर्विकार स्वरूप, दिव्य गुणों एवं असीम प्रेम का उल्लेख करते हुए कहा कि सच्चे संबंधों का आधार स्वार्थ नहीं, बल्कि पवित्र भावना, विश्वास और एक–दूसरे के प्रति सम्मान होना चाहिए। उन्होंने उपस्थित भाई–बहनों को जीवन में आध्यात्मिकता अपनाने, सकारात्मक विचार रखने तथा अपने व्यवहार में मधुरता और विनम्रता लाने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि जब मनुष्य अपने जीवन में ईश्वरीय ज्ञान और सद्गुणों को स्थान देता है, तब परिवार और समाज में सुख–शांति एवं सद्भाव का वातावरण स्वतः निर्मित होता है।समारोह का एक विशेष आकर्षण महाराजगंज निवासी अमित पाण्डेय का सम्मान रहा। संस्था की ओर से उन्हें अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने उनके प्रति आत्मीयता एवं शुभकामनाएं व्यक्त कीं। सम्मान समारोह ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ा दिया।कार्यक्रम में बी.के. डॉ. अशोक कुमार मिश्र, बी.के. हरिश्चंद्र, जगदीश, अशेष भाई, अश्वनी, राहुल, रामफेर तिवारी, सुनील गुप्ता, बी.के. नन्हेंलाल शुक्ला, कमलेश, माता रानी दीदी सहित संस्था से जुड़े अनेक भाई–बहन एवं श्रद्धालु मौजूद रहे। सभी ने एक–दूसरे को भाई दूज की शुभकामनाएं देते हुए प्रेम, सद्भाव और आध्यात्मिक जीवन के मार्ग पर चलने का संकल्प व्यक्त किया।समारोह के समापन पर उपस्थित लोगों ने मुख्य संचालिका बी.के. आरती दीदी के मार्गदर्शन, स्नेहपूर्ण व्यवहार और आध्यात्मिक संदेशों की सराहना की। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि त्योहारों की वास्तविक सार्थकता केवल परंपराओं के निर्वहन में नहीं, बल्कि आपसी रिश्तों में प्रेम, विश्वास, सम्मान और मानवीय मूल्यों को मजबूत करने में निहित है। भाई दूज का यह स्नेह मिलन समारोह उपस्थित लोगों के लिए आत्मीयता और आध्यात्मिक प्रेरणा की यादगार अनुभूति बन गया।



जौनपुर पुलिस ने यक्ष ऐप पर दर्ज किया 12 हजार अपराधियों का ब्योरा

थानेवार डिजिटल रिकॉर्ड के साथ बदमाशों के फोटो और वीडियो भी अपलोड



ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में अपराधियों की पहचान और उनकी धरपकड़ को प्रभावी बनाने के लिए पुलिस ने डिजिटल निगरानी की पहल तेज कर दी है। जिले के करीब 12 हजार अपराधियों का ब्योरा यक्ष ऐप पर अपलोड किया गया है। इसमें अपराधियों की थानेवार जानकारी के साथ उनके फोटो और वीडियो भी दर्ज किए जा रहे हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह ने बताया कि ऐप पर वांछित बदमाशों सहित आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहे लोगों का विस्तृत विवरण उपलब्ध कराया जा रहा है। इसका उद्देश्य अपराधियों का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करना है, ताकि किसी आपराधिक घटना के बाद उनकी पहचान करने और पुराने आपराधिक इतिहास का पता लगाने में आसानी हो सके। ऐप पर अपराधियों से संबंधित जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध होने से पुलिस को जांच के दौरान मदद मिलेगी। किसी दूसरे थाना क्षेत्र, जिले अथवा राज्य में अपराध करने वाले बदमाशों की पहचान भी उनके पुराने रिकॉर्ड के आधार पर की जा सकेगी। पुलिस का मानना है कि इस डिजिटल व्यवस्था से अपराधियों की पहचान, उनके आपराधिक इतिहास का सत्यापन और विभिन्न क्षेत्रों की पुलिस के बीच सूचनाओं के आदान–प्रदान में सहूलियत होगी। इससे अपराध नियंत्रण और अपराधियों की धरपकड़ में भी मदद मिलने की उम्मीद है।

यातायात माह में पुलिस ने 2351 वाहनों का किया चालान, 12 सीज



ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में यातायात माह नवंबर–2026 के तहत यातायात पुलिस ने शुक्रवार रात जागरूकता के साथ नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। अभियान के दौरान जिले में 2351 वाहनों का चालान किया गया, जबकि 12 वाहनों को सीज किया गया। पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक नगर चंद्रशेखर के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी यातायात के पर्यवेक्षण में यातायात प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में अभियान चलाया गया। इस दौरान यातायात पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों ने प्रमुख चौराहों, तिराहों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर लाउडस्पीकर से अनाउंसमेंट कर तथा हैंडबिल और पंपलेट वितरित कर लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। वाहन चालकों को हेलमेट और सीट बेल्ट का प्रयोग करने, दोपहिया वाहनों पर तीन सवारी न बैठाने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने तथा नशे की हालत में वाहन न चलाने की हिदायत दी गई। इसके साथ ही वाहनों के शीशों पर काली फिल्म लगाने तथा हूटर, सायरन और प्रेशर हॉर्न के अनधिकृत प्रयोग से बचने की अपील की गई। अभियान के दौरान बिना ड्राइविंग लाइसेंस, बीमा और प्रदूषण प्रमाणपत्र के साथ ही बिना हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट वाले वाहनों की सघन जांच की गई। नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई। काली फिल्म लगे वाहनों से फिल्म भी उतरवाई गई। पुलिस ने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने में सहयोग करने की अपील की।

सड़कों के जाल और कानून-व्यवस्था से बदली उत्तर प्रदेश की तस्वीर - सोहनलाल श्रीमाली

उपाध्यक्ष ने गिनाई सरकार और आयोग की उपलब्धियां, विपक्ष पर भी साधा निशाना

अयोध्या धाम से जुड़े सवाल पर अखिलेश यादव पर कटाक्ष, बोले- उन्हें गया जाना चाहिए



आर एल पाण्डेय

लखनऊ । उत्तर प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष श्री सोहनलाल श्रीमाली ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए राज्य सरकार की नीतियों, बुनियादी ढांचे के विकास और पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए किए जा रहे कार्यों पर विस्तार से चर्चा की। इस पत्रकार वार्ता में श्रीमाली ने प्रदेश के चौमुखी विकास का दावा किया और विपक्षी दलों पर भी निशाना साधा। प्रेस कॉन्फ्रेंस की शुरुआत करते हुए सोहनलाल श्रीमाली ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सराहना की और उनके कार्यकाल की प्रमुख उपलब्धियों को गिनाया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शासनकाल में प्रदेश में सड़कों और एक्सप्रेसवे का जो जाल बिछा है, वैसा विकास पूर्व की किसी भी सरकार में देखने को नहीं मिला। श्रीमाली के अनुसार, बेहतर कनेक्टिविटी और कानून–व्यवस्था के कारण आज उत्तर प्रदेश का हर वर्ग और हर व्यक्ति प्रदेश सरकार के कार्यों की प्रशंसा कर रहा है। राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष के रूप में अपनी और आयोग की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए सोहनलाल श्रीमाली ने कहा कि वर्तमान सरकार की प्राथमिकता समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को मुख्यधारा से जोड़ना है। उन्होंने बताया कि पिछड़ा वर्ग आयोग के माध्यम से ओबीसी समाज की समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया जा रहा है। श्रीमाली ने जानकारी दी कि आयोग द्वारा शैक्षणिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए कई महत्वपूर्ण सिफारिशें की गई हैं, जिन्हें सरकार द्वारा प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है। छात्रवृत्ति योजनाओं के पारदर्शी वितरण से लेकर स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने तक, आयोग लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहा है। पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए श्रीमाली ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर भी तीखी टिप्पणी की। अयोध्या से जुड़े एक प्रश्न के उत्तर में सोहनलाल श्रीमाली ने कहा कि विपक्षी नेताओं को अयोध्या धाम के बजाय बिहार के श्गयाश् जाना चाहिए। इस बयान के माध्यम से उन्होंने विपक्ष की कार्यशैली और राजनीतिक दृष्टिकोण पर कटाक्ष किया। श्रीमाली ने विश्वास जताया कि राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग भविष्य में भी पूरी पारदर्शिता और समर्पण के साथ पिछड़े समाज के अधिकारों की रक्षा और उनके सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करता रहेगा।

भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई न होने से क्षुब्ध महिला 14 नवंबर से बैठेंगी आमरण अनशन पर

सुलतानपुर, (संवाददाता)। मध्याह्न भोजन योजना में बड़े पैमाने पर घोटाले, आय से अधिक संपत्ति और फर्जी नियुक्तियों के गंभीर आरोपों पर डेढ़ साल बाद भी कोई ठोस कार्रवाई न होने से क्षुब्ध होकर एक पीड़ित महिला ने प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। न्याय के लिए भटक रहीं जनपद निवासी श्रीमती ममता सिंह ने जिला प्रशासन को अग्रिम नोटिस देते हुए आगामी 14 नवंबर (बाल दिवस) से जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (ठै।) कार्यालय के समक्ष आमरण अनशन पर बैठने का ऐलान किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रार्थिनी श्रीमती ममता सिंह (निवासी सिधारी, जनपद आजमगढ़) द्वारा संविदा कर्मी संदीप यादव के विरुद्ध मध्याह्न भोजन योजना में व्यापक धांधली और अवैध नियुक्तियों को लेकर साक्ष्यों के साथ एक विस्तृत शिकायती प्रार्थना पत्र दिया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए आपके कार्यालय द्वारा 3 मई 2025 को एक 4–सदस्यीय उच्चस्तरीय जांच समिति का गठन किया गया था। इस समिति में संयुक्त मजिस्ट्रेट (अध्यक्ष), उप जिलाधिकारी सदर, वरिष्ठ कोषाधिकारी तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुल्तानपुर को सदस्य नामित किया गया था। आदेश के तहत समिति को महज 1 सप्ताह के भीतर साक्ष्यों सहित अपनी जांच आख्या सौंपनी थी। पीड़िता का आरोप है कि करीब 1.5 वर्ष (18 महीने) से अधिक का लंबा समय बीत जाने के बाद भी इस मामले में कोई ठोस प्रगति या दंडात्मक कार्रवाई नहीं हो सकी है। ममता सिंह ने सीधे तौर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी उपेंद्र गुप्ता पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उनकी हीला–हवाली नीति, शिथिलता और लचर रवैये के कारण ही आरोपी संविदा कर्मी को अप्रत्यक्ष रूप से संरक्षण मिल रहा है। विभागीय लापरवाही के चलते नौनिहालों के हक पर डाका डालने वाले आरोपी आज भी खुलेआम घूम रहे हैं और जांच फाइलें अफसरों के मेजों के नीचे दबी हुई हैं। प्रशासनिक उदासीनता से टूट रहा सब्र लगातार न्याय के लिए भटकने और प्रशासनिक उदासीनता से तंग आकर पीड़िता ने जिला प्रशासन को अवगत कराया है कि अब उनके पास आंदोलन के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा है। उन्होंने पत्र में स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि 14 नवंबर से पहले इस प्रकरण पर निष्पक्ष व पारदर्शी जांच पूरी कर दोषियों के खिलाफ सख्त विधिक कार्रवाई नहीं की जाती है, तो वह ठै। कार्यालय के सामने आमरण अनशन शुरू कर देंगी। पीड़िता ने अपने पत्र में यह भी साफ किया है कि आमरण अनशन के दौरान यदि उनके स्वास्थ्य, मानसिक अथवा शारीरिक रूप से कोई भी अप्रिय क्षति होती है।

चित्रगुप्त मंदिर हैदरगंज परिसर मे यम द्वितीया पर्व पर चित्रांश बंधुओं ने किया कलम–दवात की पूजा



अयोध्या।शहर के हैदरगंज मोहल्ला स्थित चित्रगुप्त मंदिर परिसर में यम द्वितीया के पावन अवसर पर भगवान चित्रगुप्त की पूजा–अर्चना हर्षोल्लास एवं श्रद्धापूर्वक की गई।इस अवसर पर भारी संख्या में चित्रांश बंधु एकत्रित हुए।कार्यक्रम का शुभारंभ चित्रांश बंधुओं द्वारा कलम–दवात की विधिवत पूजा के साथ हुआ।कार्यक्रम में मुख्य यजमान एवं ट्रस्टी आजीवन सदस्य अनिल श्रीवास्तव की प्रमुख भूमिका रही।इस मौके पर डाक्टर मीरा श्रीवास्तव, डाक्टर गौरव श्रीवास्तव, डाक्टर ऋचा श्रीवास्तव,रेखा श्रीवास्तव, ममता श्रीवास्तव,सुषमा श्रीवास्तव के अलावा चित्रांश सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष केसी श्रीवास्तव,कैलाश लाल श्रीवास्तव,कमलेश श्रीवास्तव,बीएन दास,सुरेश चंद्र श्रीवास्तव, इंजीनियर प्रदीप श्रीवास्तव, डीपी श्रीवास्तव, सुनील श्रीवास्तव, नरसिंह नाथ, डॉ. आलोक, सुरेंद्रनाथ, सतीश, शक्ति राज, यश श्रीवास्तव, अर्जुन पार्षद, प्रतिदिन, अमित गुप्ता, राहुल, ओमप्रकाश, अजय, सिद्धार्थ श्रीवास्तव, मुकेश श्रीवास्तव, वैभव, अभिषेक श्रीवास्तव, वीरेंद्र श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव समेत बड़ी संख्या में चित्रांश समाज के लोग मौजूद रहे।कार्यक्रम मे चित्रांश समाज के लोगों ने भगवान चित्रगुप्त का पूजन–अर्चन कर आपसी एकता, भाईचारे और सामाजिक समरसता का संदेश दिया।पूरे मंदिर परिसर में भक्ति और उत्साह का वातावरण बना रहा।

मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के लाभार्थियों को वितरित किए गए पांच-पांच लाख रुपये के सहायता चेक

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी भवन में आयोजित कार्यक्रम में विधायक वेद प्रकाश गुप्ता द्वारा मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र के 18 लाभार्थियों को पांच–पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता के चेक वितरित किए गए।इस अवसर पर लाभार्थियों को कुल 90 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई।मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना प्रदेश सरकार की एक महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी पहल है, जिसके माध्यम से दुर्घटना में किसान की मृत्यु अथवा दिव्यांगता की स्थिति में पात्र आश्रितों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। योजना का उद्देश्य संकट की घड़ी में प्रभावित परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान करना तथा उन्हें कठिन परिस्थितियों से उबरने में सहयोग देना है।कार्यक्रम के दौरान लखनऊ में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण समारोह का सजीव प्रसारण भी किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा विभिन्न पदों पर चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए जाने के क्रम में जनपद अयोध्या के कनिष्ठ सहायक (जूनियर असिस्टेंट) पद पर चयनित 16 अभ्यर्थियों को भी नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।नियुक्ति पत्र प्राप्त होने पर अभ्यर्थियों के चेहरों पर खुशी और उत्साह देखने को मिला।इस अवसर पर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों, युवाओं और समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के माध्यम से दुर्घटना से प्रभावित किसान परिवारों को आर्थिक सहायता देकर उन्हें संबल प्रदान किया जा रहा है। वहीं, पारदर्शी एवं निष्पक्ष चयन प्रक्रिया के माध्यम से युवाओं को सरकारी सेवाओं में अवसर उपलब्ध कराकर उनके उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। किसानों को आर्थिक सुरक्षा और युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना प्रदेश के विकास को नई गति प्रदान कर रहा है।कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्री विशु राजा,तहसीलदार ध र्मेंद्र सिंह सहित विभाग के कर्मचारी योजना के लाभार्थी उपस्थित रहे।

शहर से गांव तक फैला नशे का जाल,युवाओं का भविष्य खतरे में

अयोध्या।जिले के शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक चरस, स्मैक और गांजा जैसे मादक पदार्थों का अवैध कारोबार तेजी से फैलने की शिकायतें सामने आ रही हैं।चंद पैसों के लालच में इस कारोबार से जुड़े लोग युवाओं का भविष्य अंधकार में धकेल रहे हैं।चिंताजनक बात यह है कि अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी युवाओं को नशीले पदार्थ आसानी से उपलब्ध होने की चर्चाएं सामने आ रही हैं।वही थाना कैंट क्षेत्र के हसनू कटरा चौकी क्षेत्र के निषाद नगर स्थित रेतिया पुल के पास देखने को मिली है।यहां पानी सप्लाई के स्टार हाउस में नशेड़ियों का अड्डा बनने का मामला सामने आया है।परिसर में नशे के इंजेक्शन समेत अन्य नशीले पदार्थों से जुड़ा सामान बिखरा पड़ा होने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है।वही क्षेत्रवासियों ने पुलिस से तत्काल जांच कराकर नशेड़ियों और इस अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

कोतवाली अयोध्या क्षेत्र मे होटल से चोरी हुए पांच एसी, पांच एलईडी टीवी और पांच गीजर बरामद,दो गिरफ्तार



अयोध्या।कोतवाली अयोध्या पुलिस ने होटल से एसी, एलईडी टीवी और गीजर चोरी करने के मामले में वांछित दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।पुलिस ने उनकी निशानदेही पर चोरी किए गए पांच एसी, पांच एलईडी टीवी और पांच गीजर बरामद किए हैं।पुलिस के मुताबिक बरामद सामान की अनुमानित कीमत करीब पांच लाख रुपये बताई गई है।कोतवाली अयोध्या पुलिस के मुताबिक परिक्रमा मार्ग स्थित एक होटल के संचालक ने शिकायत दर्ज कराई थी कि होटल में काम करने वाले राजू पाण्डेय और उसके साथी ने लायड कंपनी के एसी, एलईडी टीवी और गीजर चोरी कर लिए हैं।इस मामले में कोतवाली अयोध्या में मुकदमा दर्ज कर पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही थी।कोतवाली अयोध्या पुलिस ने मौनी बाबा अंडरपास से मदरहिया जाने वाले कच्चे रास्ते पर स्थित एक प्लाट की बाउंड्री से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।उनकी निशानदेही पर पांच हैवल्स ब्रांड के लायड एसी, पांच लायड एलईडी टीवी और पांच महाराजा व्हाइटलाइन गीजर बरामद किए गए। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विवेक सिंह निवासी शुगर मिल कॉलोनी, मनकापुर रोड, नवाबगंज, गोंडा तथा सांवली पाण्डेय उर्फ राजू पाण्डेय निवासी देवाचक गुप्कापुर, थाना फखरपुर, बहराइच के रूप में हुई है। पुलिस ने मुकदमे में चोरी का सामान बरामद होने पर संबंधित ध ारा की बढ़ोतरी करते हुए दोनों अभियुक्तों को न्यायालय भेज दिया। इन आरोपियों को पकड़ने में प्रभारी निरीक्षक पंकज कुमार सिंह के अलावा उपनिरीक्षक राणा दिग्विजय सिंह, कांस्टेबल ओमबीर सिंह, राजीव रंजन यादव, स्वर्ण कमल कुशवाहा और अजय कुमार यादव की सराहनीय भूमिका रही।

खेलकूद से बच्चों का होता है सर्वांगीण विकास – सुभाष चन्द



अयोध्या।बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा नगर क्षेत्र स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता एवं शैक्षिक समारोह का आयोजन कम्पोजिट स्कूल पुलिस लाइन में किया गया। बीईओ नगर क्षेत्र सुभाष चन्द द्वारा माँ सरस्वती का पूजन अर्चन दीप प्रज्ज्वलन करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का संचालन लेखाकार रजनीश पाण्डेय द्वारा किया गया।बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में नगर क्षेत्र के परिषदीय स्कूलों के बच्चों द्वारा प्रतिभाग किया गया और विभिन्न खेलों में अपना अपना योगदान भी किया गया। कार्यक्रम में शोयब सिद्दीकी, शिवम गुप्ता, योगेश्वर सिंह, प्रानेस रावत, शशिधर द्विवेदी, अरविंद पाठक, सुधा शर्मा, प्रीति सिंह, विजेता वर्मा, शिल्पी कश्यप, शरद श्रीवास्तव, चरण आधार, शाहिदा परवीन, सत्यपाल, विनय गुप्ता, विनोद सिंह, जुबेर शाहिद, लाल बाबू यादव उपस्थित रहे।

गोवर्धन पर्व पर गौशालाओं में आयोजित गौ पूजन पर सीवीओ ने गोवंशों को खिलाया गुड़ और केला



अयोध्या।गोवर्धन पर्व के अवसर पर जनपद की विभिन्न गौशालाओं में विधि–विधान पूर्वक गौ पूजन किया गया।इस मौके सीवीओ डॉक्टर इंद्रदेव के अलावा पशुपालन विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।पूजन कार्यक्रम मे डॉ. इंद्रदेव ने गौशाला में गोवंशों को चारा खिलाया और उनके संरक्षण एवं देखभाल से जुड़े कार्यों का जायजा लिया।कार्यक्रम में पशुपालन विभाग के सभी पशु चिकित्सक एवं कर्मचारी मौजूद रहे।पर्व के अवसर पर गौशालाओं में उत्सव और श्रद्धा का माहौल रहा।विकासखंड मसौधा की दौलतपुर एवं सिरहिर गौशाला में गौ माता का पूजन कर उन्हें गुड़ और केला खिलाया गया।इस दौरान पशु चिकित्सा अधिकारी भईपुर, ग्राम प्रधान सिरहिर, ग्राम प्रधान दौलतपुर सहित अन्य गौ सेवक उपस्थित रहे।वहीं सिरहिर गौशाला में दीपावली पूजन भी विधि–विधान पूर्वक संपन्न हुआ।इस अवसर पर पशुपालन विभाग के कर्मचारियों ने आकर्षक रंगोली बनाई।

भाजपा सरकार कर रही अयोध्या की सांझी सांस्कृतिक विरासत को नष्ट – सूर्यकांत पाण्डेय

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता सूर्यकांत पाण्डेय ने भाजपा सरकार पर अयोध्या की सांझी सांस्कृतिक विरासत को नष्ट करने का आरोप लगाया है।उन्होंने कहा कि अयोध्या विभिन्न धर्मों की सांझी विरासत की अंतरराष्ट्रीय राजधानी रही है।उसकी संस्कृति को एकांगी बनाने का प्रयास किया जाना भगवान श्री राम, रामायण और सनातन के पूर्णतया विपरीत है।इसे अक्षुण्य बनाने की जरूरत है।श्री पाण्डेय समाजवादी पार्टी में शामिल होने के बाद सिविल लाइंस स्थित होटल अवंतिका में आयोजित पत्रकार वार्ता में यह बातें कही।उन्होंने कहा कि अयोध्या शुद्ध तरीके से मंदिरों का नगर है। यहां भारत की विभिन्न विधाओं, जातियों के मंदिर और धर्मशालाएं है।जो संपूर्ण भारत का दर्शन कराने में सक्षम है। अनेकों पिछड़ी, अनुसूचित समाज के मंदिर भी है। सरकार ने तमाम मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया परंतु गरीबों और वंचितों के मंदिर उपेक्षित किए गए। सरकार का यह कृत्य पक्षपात पूर्ण हैं। अयोध्या में इस पक्षपात पूर्ण कार्य से व्यापक रोष व्याप्त है।उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने मंहगाई, बेकारी, भ्रष्टाचार और अपराधों की बाढ़ आई है, महिलाएं, दलित, पिछड़े और वंचितों के साथ अन्याय बढ़ गया है।समाज में गैरबराबरी को लेकर असुरक्षा का माहौल बना दिया गया है। सरकारी तंत्र पूरी तरह से हावी है। नौकरशाही मनमानी ने जनता को खौफजदा कर दिया है।प्रदेश में विकास के नाम पर लूट मची हुई है।समाज के सभी वर्गों में अकुलाहट है।कहा कि अयोध्या के अनियोजित विकास ने जनता की जमीनों की लूट किया है और उन्हें बेघर और बेरोजगारी दिया है। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार ही अयोध्या को विश्व आध्यात्मिक और पर्यटन नगरी बनाने में सक्षम है।उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट की जगह कालोनियों का विकास करना चाहिए था।आने वाली पीढ़ियों के लिए एक विकास विरोधी गैर समझदारी पूर्ण फैसला लिया गया है।इस फैसले से भविष्य में शहर के विकास को रौंदा गया है।उन्होंने कहा कि सपा सरकार आने पर नियोजित विकास संभव है।

कार्तिक मास के दौरान देश–विदेश से करीब 14 हजार श्रद्धालु राम नगरी आकर किया दर्शन–पूजन

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में कार्तिक मास के दौरान देश–विदेश से करीब 14 हजार श्रद्धालु दर्शन–पूजन और धार्मिक यात्रा के लिए पहुंचे हैं।इन श्रद्धालुओं को आठ अलग–अलग समूहों में बांटा गया है।जो अयोध्या के प्रमुख धार्मिक स्थलों का भ्रमण कर रहे हैं।इसी क्रम में गुरुवार को सुदेवी ग्रुप के करीब 1400 श्रद्धालु गुप्तार घाट पहुंचे। यहां श्रद्धालुओं ने सरयू में स्नान किया और गुप्तेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन–पूजन कर आशीर्वाद लिया। ये सभी श्रद्धालु परम पूज्य राधानाथ स्वामी महाराज के शिष्य हैं, जो उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, राजस्थान और मेघालय समेत देश के विभिन्न राज्यों से अयोध्या पहुंचे हैं। इनके साथ विदेशों से आए भक्त भी धार्मिक यात्रा में शामिल हैं।खास बात यह है कि अलग–अलग भाषाएं बोलने वाले श्रद्धालु एक साथ राम नाम संकीर्तन, भजन और कीर्तन में लीन नजर आए।इस्कॉन के संस्थापक आचार्य श्रील प्रभुपाद की परंपरा से जुड़े राधानाथ स्वामी महाराज के शिष्य अयोध्या के विभिन्न धार्मिक स्थलों पर दर्शन–पूजन के साथ आध्यात्मिक गतिविधियों में भाग ले रहे हैं। कार्तिक मास में हर वर्ष आयोजित होने वाली कथा और धार्मिक आयोजनों की परंपरा के तहत इस वर्ष भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु रामनगरी पहुंचे हैं।श्रद्धालुओं ने बताया कि राम नाम संकीर्तन का मुख्य उद्देश्य हृदय का शुद्धिकरण करना और सनातन संस्कृति का देश–विदेश में प्रचार–प्रसार करना है। अयोध्या की आध्यात्मिक यात्रा के दौरान वे भजन–कीर्तन के माध्यम से प्रभु श्रीराम की भक्ति में लीन हैं।

कार्तिक मेले को लेकर एसपी रेलवे रोहित मिश्रा ने किया जीआरपी थाना कैंट व चौकी अयोध्या धाम का निरीक्षण



अयोध्या।कार्तिक मेले को सकुशल संपन्न कराने को लेकर एसपी रेलवे लखनऊ अनुभाग रोहित कुमार मिश्रा ने जीआरपी थाना अयोध्या कैंट का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन के साथ जीआरपी चौकी अयोध्या धाम जंक्शन का भी भ्रमण कर सुरक्षा तैयारियों का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने जीआरपी थानाध्यक्ष अभिषेक मिश्रा,प्रभारी निरीक्षक आरपीएफ कैंट रेलवे स्टेशन हरीश शाही, चौकी प्रभारी अयोध्या धाम जंक्शन के साथ बैठक कर कार्तिक मेले के दौरान सुरक्षा व्यवस्था,भीड़ नियंत्रण सहित अन्य मुद्दों पर बातचीत किया।उन्होंने मेला ड्यूटी में तैनात साथ ही बाहर से आने वाले पुलिस बल के ठहरने के लिए आवंटित विद्यालयों एवं अन्य स्थानों का भी स्थलीय निरीक्षण किया।एसपी रेलवे ने थाना कार्यालय, मालखाना, बंदीगृह, प्लेटफार्म, सर्कुलेटिंग एरिया, महिला हेल्प डेस्क, कर्मचारी बैरक और मेस का भौतिक निरीक्षण किया। सभी स्थानों पर साफ–सफाई संतोषजनक मिली। थाना अभिलेखों,रजिस्टरों तथा राजकीय संपत्ति का मिलान भी किया गया, जिसमें सभी संपत्तियां सुरक्षित एवं मौजूद पाई गईं।निरीक्षण के दौरान उन्हें कई मामले लंबित मिले जिसे शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए।सैनिक सम्मेलन के दौरान पुलिसकर्मियों की समस्याएं भी सुनीं।अयोध्या की संवेदनशीलता को देखते हुए उन्होंने अयोध्या धाम एवं अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन परिसर के साथ आने–जाने वाली ट्रेनों में लगातार चेकिंग करने और विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

माता सीता की विदाई का प्रसंग सुन भावुक हुए श्रद्धालु, कथा स्थल पर उमड़ा जनसैलाब

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)



अयोध्या।विकासखंड तारुन के कोरो राघवपुर में चल रही संगीतमय श्रीराम कथा के तीसरे दिन गुरुवार को प्रभु श्री रामचंद्र जी के विवाह और माता सीता की विदाई का मार्मिक प्रसंग सुनाया गया।अंतर्राष्ट्रीय कथा व्यास पूज्य शांतनु जी महाराज के श्रीमुख से कथा का सजीव वर्णन सुनकर पांडाल में मौजूद हजारों श्रद्धालु भावुक हो गए। इस दौरान कथा स्थल ष्जय श्री रामष् के जयघोष से गूंज उठा और भक्तों का भारी जनसैलाब देखने को मिला।

ष्कथा व्यास शांतनु जी महाराज ने कहा कि श्रीराम और माता सीता का विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि मर्यादा और भक्ति का मिलन है। माता सीता की विदाई के प्रसंग का वर्णन सुनकर पांडाल में उपस्थित श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं।मुख्य आयोजक धीरेंद्र प्रताप सिंह की देखरेख में आयोजित इस कथा में पूर्व विधायक इंद्र प्रताप तिवारी, जिला अध्यक्ष राधेश्याम त्यागी, प्रांत संपर्क प्रमुख गंगा सिंह, विभाग प्रचारक शैलेंद्र जी, विभाग कार्यवाह रमाशंकर जी, जिला संघचालक श्यामा चरण मिश्रा, कूरेभार ब्लॉक प्रमुख नवनीत सिंह, तिलोई ब्लॉक प्रमुख मुन्ना सिंह, मीडिया प्रभारी सुशील मिश्रा, मंडल अध्यक्ष पति राज वर्मा, मंडल अध्यक्ष दिनेश सिंह और प्रधान प्रतिनिधि विनोद सिंह विशेष रूप से मौजूद रहे।इनके अलावा सियाराम सर्राफ, राकेश सिंह टिकरी, नंद कुमार सिंह, केके तिवारी, प्रेम वर्मा, संदीप तिवारी, महेंद्र मिश्रा, विपिन मिश्रा व शैलेंद्र शुक्ला सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी और श्रद्धालु शामिल हुए।

जमीन–मकान पर कब्जेदारी को लेकर खूनी संघर्ष, लाठी–डंडों से मारपीट का वीडियो वायरल

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।जिले के खंडासा थाना क्षेत्र के वकचुना गांव में जमीन और मकान पर कब्जेदारी को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई।इस दौरान लाठी–डंडे चलने से आरोप के मुताबिक एक पक्ष के कई लोग घायल हो गए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।पीड़ित पटेश्वरी प्रसाद मिश्रा ने दीपक मिश्रा, रतनेश मिश्रा समेत कई लोगों पर अपनी पत्नी संगीता देवी और बेटे सौरभ उर्फ राहुल मिश्रा के साथ मारपीट करने का आरोप लगाया है।पीड़ित के मुताबिक 11 नवंबर को विपक्षी पक्ष विवादित मकान में रहने पहुंचा था।इसका विरोध करने पर आरोपियों ने गाली–गलौज करते हुए लाठी–डंडों से हमला कर दिया। साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी।मारपीट में पीड़ित पक्ष के लोगों को गंभीर चोटें आई हैं।पीड़ित ने मामले में खंडासा थाने में लिखित शिकायत देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।घटना का वीडियो वायरल होने के बाद मामला चर्चा में है।

के एम शुगर मिल का 26-26 वर्ष पेराई सत्र शुरु, विधायक अमित सिंह चौहान समेत कई नेता रहे मौजूद



अयोध्या।के एम शुगर मिल मसौधा वर्ष 2026 –27 के पेराई सत्र का गुरुवार को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शुरुआत हुई।इस मौके पर बीकापुर विधायक डॉ अमित सिंह और ,गन्ना चेयरमैन सन्तोष सिंह ने पूजन अर्चन के बाद डोगा में गन्ना डाला और बटन दबाकर पेराई सत्र की शुरुआत की इस बार मसौधा चीनी मिल एक करोड़ बीस लाख कुन्तल गन्ने का पेराई का लक्ष्य रखा है।मसौधा चीनी मिल पर नए सत्र की शुरुआत के लिए दस बजे पूजा शुरू की आचार्य जय प्रकाश पाण्डेय तथा उनके शिष्यों द्वारा लगभग 2 घण्टा पूजन–अर्चन करवाया जंहा यजमान के रूप में मिल के अधिशाषी निदेशक सुभाष चंद्र अग्रवाल पूजा अर्चन किया पूजन अर्चना के बाद दिन में लगभग ग्यारह बजकर पचास मिनट पर विधायक डॉ सिंह चौहान ,मसौधा समिति के चेयरमैन सन्तोष सिंह,नबाबगंज गोंडा के चेयरमैन सुरेन्द्र सिंह ने अन्य अधिकारियो के साथ डोगा में गन्ना डाला और बटन दबाकर नए पेराई सत्र की शुरुआत की।मसौधा चीनी मिल के अधिशाषी निदेशक सुभाष चंद्र अग्रवाल ने बताया कि किसान साफ सुथरा गन्ना लेकर आएं और उन्होंने कहा कि किसानों को समय से गेहूं बुवाई करने के लिए मिल समय से चालू कर दिया गया लेकिन किसान बगैर पर्ची के गन्ना की छिलाई न करवाए और सूखा गन्ना लेकर न आएं।इस अवसर पर ,विभागाध्यक्ष गन्ना पी के चतुर्वेदी, महाप्रबंधक कार्मिक बीएन मिश्र, सहकारी गन्ना विकास समिति मसौध ा के चेयरमैन संतोष सिंह मौजूद रहे।

रुपये के विवाद में दो किशोरी बहनों को ऑटो से थाने ले जाने का आरोप

गोरखपुर, (संवाददाता)।रुपये के लेनदेन के विवाद में एक युवक पर दो किशोरी बहनों को जबरन ऑटो में बैठाकर थाने ले जाने का आरोप लगा है। मामला पीपीगंज थाना क्षेत्र के नीबा गांव और नगर पंचायत पीपीगंज से जुड़ा है। दोनों पक्षों की तहरीर पर पुलिस ने जांच की। बाद में दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से समझौता कर लिया। पीपीगंज नगर निवासी राजकुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि नीबा गांव निवासी संगीता देवी ने उनसे 40 हजार रुपये नकद उधार लिए थे। काफी समय से रकम वापस मांगने के बावजूद महिला रुपये नहीं लौटा रही थी। आरोप है कि वह घर छोड़कर चली गई, जिसके बाद राजकुमार उसकी तलाश कर रहे थे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।